Youth India News Group

फर्रुखाबाद से प्रकाशित

बुधवार | 25 नवम्बर 2026

मूल्य 2.00 रुपये

हिन्दी दैनिक

यूथ इंडिया

सच्चाई की दहकती आग...

वर्षः 22 | अंकः 224 पृष्ठः 08

आरएनआई नं.: UPHIN/2005/17816

डाक पंजीयन सं.- L-6/RNP-FTC002/2010

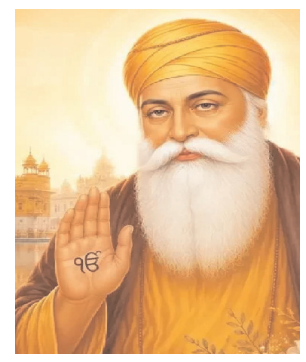

2 संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की.....

4 तर्क और विज्ञान के युग में.....

8 सड़क किनारे मिला 35 वर्षीय.....

तापमान मीटर

लखनऊ	18°	30°
नई दिल्ली	17°	29°
मुंबई	28°	37°
कोलकाता	22°	32°
चेन्नई	26°	32°

शेयर बाजार

सेंसेक्स 83685.56
निफ्टी 25707.65

सर्राफा बाजार

सोना 1,28,255.00 रुपए प्रति दस ग्राम
चांदी 1,65,000.00 रुपए प्रति किलो

एक नजर

हम भिखारी नहीं हैं: इमरान मसूद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर खींचतान शुरू हो गई है। सपा की ओर से पांच प्रत्याशियों की घोषणा किए जाने के बाद गठबंधन की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। खास बात यह है कि घोषित उम्मीदवारों में कुछ सीटें ऐसी भी हैं, जिन पर कांग्रेस अपनी दावेदारी जता रही थी। इससे दोनों दलों के बीच सहमति बनने को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं।

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर, तीन युवकों की मौत से मचा कोहराम

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब दो बाइकें आमने-सामने टकरा गईं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने घायलों की मदद की।

प्यूर्टो रिको की जेनिफर बैरेटो बनीं मिस यूनिवर्स-2026

नई दिल्ली। प्यूर्टो रिको की जेनिफर बैरेटो ने मिस यूनिवर्स-2026 का खिताब अपने नाम कर लिया है। 25 नवंबर को राजधानी सैन जुआन में आयोजित 75वें फाइनल मुकाबले में उन्हें विजेता घोषित किया गया। उनकी इस उपलब्धि के साथ प्यूर्टो रिको ने छठी बार मिस यूनिवर्स का ताज हासिल किया है।

पहाड़ों में बर्फबारी से बढ़ी ठंड

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी के बाद ठंड तेज हो गई है। श्रीनगर में मंगलवार को तापमान गिरकर -1.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जहां इस मौसम की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई।

उमर खालिद और शरजील इमाम को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



दिल्ली दंगा मामले में आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम को सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल राहत नहीं मिली है। शीर्ष अदालत ने दोनों की अंतरिम जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए उन्हें अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया। हालांकि, अदालत ने उनकी नियमित जमानत याचिकाओं पर सुनवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाई है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि जमानत के मुद्दे पर कोई फैसला लेने से पहले जांच एजेंसी और सरकार का पक्ष सुना जाएगा। इसके लिए पुलिस को अपना जवाब दाखिल करने का अवसर दिया गया है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इसकी सुनवाई के लिए तीन न्यायाधीशों की पीठ गठित करने की बात कही है। यह पीठ उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाओं पर विस्तार से सुनवाई करेगी। फिलहाल अदालत ने दोनों आरोपियों को अंतरिम राहत देने से मना कर दिया है।

गौरतलब है कि फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। दोनों लंबे समय से न्यायिक हिरासत में हैं और अपनी जमानत के लिए कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। अब सुप्रीम कोर्ट में होने वाली अगली सुनवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं।

राधे-राधे तो शुरुआत है, सपा के लिए अब राम नाम सत्य का समयः सीएम योगी

यूथ इंडिया, लखनऊ



उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के संभावित गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि 'राधे-राधे तो शुरुआत है, समाजवादी पार्टी के लिए अब राम नाम सत्य का समय है।' उनके इस बयान को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा की आक्रामक राजनीतिक रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश यादव के अयोध्या दौरे को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने समाजवादी पार्टी के पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समीकरण पर तंज कसते हुए इसे 'परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी' करार दिया। योगी ने आरोप लगाया कि सपा की राजनीति में परिवार का हित प्राथमिकता में रहता है। उन्होंने विपक्षी गठबंधन की राजनीतिक रणनीति पर भी सवाल खड़े किए।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश में अपनी सरकार की उपलब्धियां भी गिनाईं। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में करीब 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए हैं। साथ ही ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण परियोजना, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर और औद्योगिक विकास को प्रदेश की बड़ी उपलब्धियों के रूप में पेश किया। उन्होंने दावा किया कि सरकार की नीतियों से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था और औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिली है।

योगी आदित्यनाथ ने कानून-व्यवस्था को लेकर भी अपनी सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराध और अराजकता के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है तथा निवेश और विकास के लिए बेहतर माहौल तैयार हुआ है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए 2027 के चुनाव में भाजपा की मजबूत वापसी का भरोसा जताया। वहीं, उनके बयानों के बाद प्रदेश की राजनीति में सपा-कांग्रेस गठबंधन और भाजपा के बीच जुबानी जंग और तेज होने के आसार हैं।

संविधान दिवस पर कांग्रेस का देशव्यापी संविधान रक्षा मार्च

नई दिल्ली। संविधान दिवस के अवसर पर कांग्रेस 26 नवंबर को देशभर में संविधान रक्षा मार्च आयोजित करेगी। पार्टी की ओर से सभी राज्यों में इस मार्च के जरिए संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संदेश दिया जाएगा। कांग्रेस ने इस कार्यक्रम को व्यापक स्तर पर आयोजित करने की तैयारी की है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लखनऊ में आयोजित रैली में शामिल होंगे। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि संविधान दिवस पर पार्टी के नेता, कार्यकर्ता और समर्थक देशभर में मार्च निकालेंगे।

28 अपर पुलिस उपायुक्त और अपर पुलिस अधीक्षकों के तबादले

यूथ इंडिया, लखनऊ

उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। बुधवार को प्रदेश सरकार ने 28 अपर पुलिस अधीक्षकों और अपर पुलिस उपायुक्तों के तबादले कर दिए। इस फेरबदल में कई अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव करते हुए उन्हें नई तैनाती दी गई है।

तबादला सूची में पुलिस उपायुक्त और अपर पुलिस अधीक्षकों के नाम शामिल हैं। अधिकारियों को अलग-अलग जिलों और पुलिस कमिश्नरेट में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस प्रशासनिक बदलाव के तहत कई अधिकारियों को वर्तमान तैनाती से हटाकर दूसरी जगह भेजा गया है।

लखनऊ समेत प्रदेश के कई पुलिस कमिश्नरेट में भी अधिकारियों की तैनाती में बदलाव किया गया है। पुलिस विभाग में हुए इस फेरबदल को प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने और पुलिसिंग में बेहतर समन्वय स्थापित करने की कवायद के रूप में देखा जा रहा है।

तबादलों के बाद संबंधित अधिकारियों को जल्द ही अपनी नई तैनाती पर कार्यभार संभालने के निर्देश दिए जाने की संभावना है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में सभी 28 अधिकारियों के नाम और उनकी नई तैनाती का विस्तृत ब्योरा शामिल नहीं है। ऐसे में पूरी तबादला सूची सामने आने के बाद फेरबदल की तस्वीर स्पष्ट होगी।

प्यूर्टो रिको की जेनिफर बनीं मिस यूनिवर्स 2026, भारतीय कारीगरों की कढ़ाई वाले गाउन ने खींचा ध्यान

नई दिल्ली। प्यूर्टो रिको की जेनिफर ने मिस यूनिवर्स 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया है। उनकी जीत कई मायनों में खास रही, क्योंकि वह मिस यूनिवर्स का ताज जीतने वाली पहली शादीशुदा महिला और मां बनी हैं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनकी इस उपलब्धि की खूब चर्चा हो रही है। उनकी जीत के साथ प्यूर्टो रिको ने छठी बार मिस यूनिवर्स का खिताब हासिल किया है। जेनिफर की इस उपलब्धि के साथ उनकी संघर्ष और मेहनत की कहानी भी चर्चा में है।

चंद्रशेखर और ओवैसी के गठबंधन से घबराई सपाः राजभर

यूथ इंडिया, लखनऊ



उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। प्रदेश सरकार में मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। राजभर ने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव को चंद्रशेखर आजाद और असदुद्दीन ओवैसी के संभावित गठबंधन से राजनीतिक नुकसान होने का डर सता रहा है।

ओम प्रकाश राजभर ने सपा की ओर से पांच उम्मीदवारों के नाम घोषित किए जाने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अभी कांग्रेस के साथ सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत चल रही है, लेकिन समाजवादी पार्टी ने पहले ही पांच प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। राजभर के मुताबिक, गठबंधन की चर्चा पूरी होने से पहले उम्मीदवारों का ऐलान करना कई सवाल खड़े करता है।

राजभर ने दावा किया कि अखिलेश यादव को अपना मुस्लिम वोटबैंक खिसकने की चिंता है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी द्वारा घोषित पांच उम्मीदवारों में चार मुस्लिम प्रत्याशी हैं। राजभर ने इसे सपा की बदली हुई राजनीतिक रणनीति से जोड़ते हुए कहा कि पार्टी को अपने पारंपरिक वोटबैंक को बचाने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

राजभर के इस बयान के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुस्लिम मतदाताओं और संभावित गठबंधनों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। चंद्रशेखर आजाद और असदुद्दीन ओवैसी की राजनीतिक भूमिका को लेकर भी सियासी समीकरणों पर नजर रखी जा रही है। हालांकि, चुनाव से पहले विभिन्न दलों के बीच गठबंधन और सीट बंटवारे को लेकर अभी कई राजनीतिक फैसले होने बाकी हैं।

यूपी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों में जुटा निर्वाचन आयोग

यूथ इंडिया, गोरखपुर/लखनऊ



उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर निर्वाचन आयोग ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से प्रदेश के विभिन्न जिलों में चुनावी व्यवस्थाओं की समीक्षा शुरू कर दी गई है। इसी क्रम में वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त मनीष गर्ग 26 और 27 नवंबर को गोरखपुर में अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक करेंगे।

गोरखपुर में आयोजित होने वाली इस बैठक में पांच मंडलों के अंतर्गत आने वाले 17 जिलों की चुनावी तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 26 नवंबर को 11 जिलों की तैयारियों का जायजा लिया जाएगा, जबकि 27 नवंबर को शेष छह जिलों की समीक्षा होगी।

बैठक में उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा भी शामिल होंगे। इसके अलावा संबंधित मंडलायुक्त, पुलिस आयुक्त और जिलाधिकारी भी प्रतिभाग करेंगे। सभी जिलों के अधिकारी चुनावी तैयारियों से संबंधित विस्तृत प्रस्तुतीकरण देंगे।

समीक्षा बैठक में चुनावी व्यवस्थाओं, प्रशासनिक तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होगी। अधिकारियों की ओर से तैयारियों की जानकारी प्रस्तुत की जाएगी। निर्वाचन आयोग की ओर से आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए जाएंगे, ताकि चुनाव के दौरान किसी प्रकार की प्रशासनिक या सुरक्षा संबंधी समस्या सामने न आए।

विधानसभा चुनाव 2027 को देखते हुए निर्वाचन आयोग की यह समीक्षा प्रक्रिया महत्वपूर्ण मानी जा रही है। आयोग का उद्देश्य चुनाव से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को व्यवस्थित करना और जिला प्रशासन को जिम्मेदारियों के प्रति तैयार रखना है।126 और 27 नवंबर की गोरखपुर बैठक के बाद प्रदेश में चुनावी तैयारियों को लेकर प्रशासनिक सक्रियता और बढ़ने की उम्मीद है।

पाकिस्तानी वेब सीरीज पर भारत में रोक की मांग



नई दिल्ली। पाकिस्तानी कलाकारों की भारतीय मनोरंजन जगत में वापसी को लेकर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। अभिनेता फवाद खान, माहिरा खान और हानिया आमिर की आगामी वेब सीरीज जो बचे हैं संग समेट लो को भारत में रिलीज नहीं करने की मांग उठाई गई है। ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर इस सीरीज के भारतीय प्रसारण पर रोक लगाने की अपील की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश श्यामलाल गुप्ता ने 24 नवंबर को भेजे गए पत्र में नेटफ्लिक्स इंडिया समेत अन्य डिजिटल मंचों से पाकिस्तानी फिल्मों, धारावाहिकों, गानों और अन्य मनोरंजन सामग्री का प्रसारण नहीं करने की मांग की है।

अनंत सिंह की बेटी शिवांगी की शादी आज

- 151 गाड़ियों के काफिले के साथ पहुंचेगी बारात; बिहार में चर्चा का विषय बना भव्य आयोजन

यूथ इंडिया, पटना



बिहार की राजनीति में चर्चित पूर्व विधायक अनंत सिंह की बेटी शिवांगी की शादी आज होने जा रही है। इस शादी को लेकर परिवार और समर्थकों में खासा उत्साह है। भव्य आयोजन के चलते यह समारोह बिहार के सबसे चर्चित कार्यक्रमों में शामिल हो गया है। शादी में कई राजनीतिक और सामाजिक हस्तियों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

शादी की सबसे खास बात बारात में शामिल होने वाला 151 गाड़ियों का काफिला बताया जा रहा है। इतने बड़े काफिले के साथ बारात के पहुंचने को लेकर विशेष तैयारियां की गई हैं। समारोह को यादगार बनाने के लिए आयोजन स्थल पर भव्य सजावट और मेहमानों के स्वागत की व्यवस्था की गई है।

शादी से पहले शिवांगी को उपहार देने का सिलसिला भी चर्चा में है। परिवार और करीबी लोगों की ओर से कई कीमती उपहार दिए जाने की जानकारी सामने आई है। इस आयोजन में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ आधुनिक व्यवस्थाओं का भी खास ध्यान रखा गया है।

अनंत सिंह के राजनीतिक और सामाजिक प्रभाव के कारण इस शादी पर बिहार के लोगों की निगाहें टिकी हुई हैं। समारोह को लेकर लगातार चर्चाएं हो रही हैं और बारात से लेकर मेहमानों की मौजूदगी तक हर पहलू सुर्खियों में है। हालांकि, शादी में शामिल होने वाले विशिष्ट मेहमानों और अन्य कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी सामने आने के बाद आयोजन की पूरी तस्वीर स्पष्ट होगी।

एक ही परिवार के छह सदस्यों को नहर में फेंका, पति-पत्नी और बेटी की मौत

सूरत। गुजरात के सूरत जिले में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां महाराष्ट्र के जलगांव से आए एक ही परिवार के छह सदस्यों को कथित तौर पर अगवा कर उकाई-काकरापार नहर में फेंक दिया गया। इस घटना में पति-पत्नी और उनकी बेटी समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो सदस्य अब भी लापता बताए जा रहे हैं। परिवार का 13 वर्षीय बच्चा इस घटना में बच गया।

जानकारी के मुताबिक, यह घटना 21 नवंबर को सूरत जिले के बारडोली तालुका में हुई थी। परिवार के सभी छह सदस्यों को कथित तौर पर उनके परिचित लोगों ने अगवा किया और नहर में फेंक दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और बचाव दल ने तलाश अभियान शुरू किया। तीन लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि अन्य दो की तलाश जारी है।

इस पूरे मामले में 13 वर्षीय बच्चे का बचना अहम साबित हुआ है। बताया जा रहा है कि वह तैरकर बाहर निकलने में सफल रहा। इसके बाद उसने पुलिस को घटना से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी और पूरी वारदात का खुलासा करने में मदद की।

नगीना पहुंचकर मुस्लिम मतदाताओं को धन्यवाद देंगे आजम खां, ओवैसी-चंद्रशेखर गठबंधन पर तीखा हमला

- 2027 के चुनाव से पहले पश्चिमी यूपी में मुस्लिम राजनीति को लेकर नई हलचल
- आजम के बयान से सपा और नए मोर्चे के बीच बढ़ी सियासी चर्चा

यूथ इंडिया, लखनऊ



उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में नए समीकरण बनने लगे हैं। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां ने असदुद्दीन ओवैसी और नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद के गठबंधन को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने जल्द ही नगीना पहुंचने का ऐलान करते हुए वहां के मुस्लिम मतदाताओं का शुक्रिया अदा करने की बात कही है। उनके इस बयान को पश्चिमी यूपी में मुस्लिम राजनीतिक नेतृत्व और नए गठबंधन की चुनौती के संदर्भ में देखा जा रहा है।

आजम खां ने एक साक्षात्कार में कहा कि चंद्रशेखर आजाद नगीना से मुसलमानों के वोटों के सहारे सांसद बने हैं। अब वह नगीना जाकर वहां के मुस्लिम मतदाताओं का धन्यवाद करेंगे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि वह लोगों से कहेंगे कि तुमने खंजर दिया मेरे दिल में उतारने के लिए।

आजम खां के इस बयान ने सियासी चर्चाओं को तेज कर दिया है। उनका निशाना चंद्रशेखर आजाद और असदुद्दीन ओवैसी के बीच बने नए राजनीतिक गठबंधन पर माना जा रहा है। असदुद्दीन ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद ने 12 नवंबर को लखनऊ में सामाजिक परिवर्तन मोर्चे की घोषणा की थी। दोनों दलों ने उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कही है। गठबंधन में चंद्रशेखर आजाद को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया गया है। 26 नवंबर को लखनऊ के रमाबाई आंबेडकर मैदान में बहुजन स्वराज संकल्प महारैली भी प्रस्तावित है। ऐसे समय में आजम खां का नगीना जाने का ऐलान राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

2024 के लोकसभा चुनाव में नगीना सीट से चंद्रशेखर आजाद ने 5,12,552 वोट हासिल कर जीत दर्ज की थी। वहीं समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी मनोज कुमार को 1,02,374 वोट मिले थे। इस परिणाम के बाद मुस्लिम और दलित मतदाताओं के चुनावी समीकरण को लेकर राजनीतिक विश्लेषण शुरू हुआ था।

आजम खां का ताजा बयान इसी चुनावी पृष्ठभूमि में आया है। वह मुस्लिम मतदाताओं के बीच अपने राजनीतिक प्रभाव और समाजवादी पार्टी की भूमिका को लेकर भी मुखर दिखाई दे रहे हैं। आजम खां के बयान पर चंद्रशेखर आजाद की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। उन्होंने कहा कि उनकी लड़ाई सत्ता के खिलाफ है और आजम खां से उन्हें कोई शिकायत नहीं है। उन्होंने आजम खां को वरिष्ठ नेता बताते हुए कहा कि उनके और आजम खां के संबंध इतने खराब नहीं हैं।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मुस्लिम और दलित मतदाताओं की भूमिका कई विधानसभा क्षेत्रों में महत्वपूर्ण रही है। समाजवादी पार्टी का पीडीए समीकरण, ओवैसी की पार्टी की सक्रियता और चंद्रशेखर आजाद का नया गठबंधन आने वाले चुनाव से पहले राजनीतिक चर्चा के प्रमुख विषय बन गए हैं।

आजम खां का नगीना जाने का ऐलान केवल एक राजनीतिक दौरे तक सीमित रहेगा या पश्चिमी यूपी में नए राजनीतिक संवाद की शुरुआत करेगा, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा।फिलहाल इतना तय है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले मुस्लिम राजनीतिक नेतृत्व, दलित-मुस्लिम समीकरण और विपक्षी दलों के बीच राजनीतिक हिस्सेदारी की बहस तेज हो गई है।

10 हजार रुपये देकर उत्तराखंड की मातृशक्ति का वोट नहीं खरीदा जा सकता: हरीश रावत

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने धामी सरकार की बैणी-भुली योजना को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने योजना के तहत महिलाओं को दी जाने वाली आर्थिक सहायता को चुनावी घूस करार देते हुए कहा कि 10 हजार रुपये देकर उत्तराखंड की मातृशक्ति का वोट नहीं खरीदा जा सकता।

हरीश रावत ने आरोप लगाया कि भाजपा पिछले 10 वर्षों से प्रदेश की सत्ता में है, लेकिन इस दौरान उसने कोई ठोस जनकल्याणकारी कार्य नहीं किए। उन्होंने कहा कि सरकार को अब चुनाव नजदीक आते ही महिलाओं की याद आ रही है और आर्थिक सहायता के नाम पर उन्हें प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि उत्तराखंड की महिलाएं जागरूक हैं और वे अपने अधिकारों, सम्मान तथा प्रदेश के विकास को लेकर बेहतर समझ रखती हैं।

सीबीआई का बड़ा एक्शन, 3 लाख रुपये की रिश्वत लेते बिहार के रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज गिरफ्तार

- 10 लाख रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप, वृंदावन इलाके में कंपनी संचालक की शिकायत पर सीबीआई ने बिछाया जाल

यूथ इंडिया, लखनऊ



राजधानी में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की एंटी करप्शन ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बिहार में तैनात रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज रमेश कुमार को कथित तौर पर 3 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी वृंदावन इलाके में की गई। आरोपी अधिकारी पटना में रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के पद पर तैनात होने के साथ लिक्विडेटिंग ऑफिसर की जिम्मेदारी भी संभाल रहे थे।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, एक कंपनी संचालक ने सीबीआई से शिकायत की थी कि रमेश कुमार स्क्रैप के ठेके में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं और काम आगे बढ़ाने के बदले रिश्वत की मांग कर रहे हैं। आरोप है कि अधिकारी ने कंपनी संचालक पर 10 लाख रुपये देने का दबाव बनाया था।

शिकायत मिलने के बाद सीबीआई की एंटी करप्शन ब्रांच ने मामले की जांच शुरू की और कथित रिश्वतखोरी को पकड़ने के लिए जाल बिछाया।

सीबीआई की टीम ने लखनऊ के वृंदावन इलाके में कार्रवाई करते हुए रमेश कुमार को कथित तौर पर 3 लाख रुपये लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान टीम ने आवश्यक साक्ष्य जुटाए और आरोपी को हिरासत में ले लिया।

गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने आरोपी से जुड़े लखनऊ और रायबरेली के ठिकानों पर भी छापेमारी की। जांच एजेंसी मामले से जुड़े दस्तावेजों, संपत्तियों और अन्य संभावित साक्ष्यों की पड़ताल कर रही है।

गिरफ्तार अधिकारी को सीबीआई विशेष अदालत में पेश किए जाने की जानकारी सामने आई है। अब जांच एजेंसी रिश्वत की मांग, स्क्रैप ठेके में कथित हस्तक्षेप और इस पूरे प्रकरण से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच करेगी।

सरकारी पद पर तैनात अधिकारी की दूसरे राज्य की राजधानी में हुई गिरफ्तारी ने प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज कर दी है। हालांकि, मामले में आरोपी की दोषसिद्धि का फैसला न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगा।

ओबीसी सियासत में केशव मौर्य की बढ़ी सक्रियता, 2027 से पहले पिछड़ों के बीच मजबूत पकड़ बनाने की तैयारी

- 54.4 प्रतिशत ओबीसी आबादी वाले उत्तर प्रदेश में भाजपा का नया सामाजिक संपर्क अभियान, 4.5 लाख लाभार्थियों तक पहुंचने की रणनीति

यूथ इंडिया, लखनऊ



उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले पिछड़ा वर्ग एक बार फिर राजनीतिक रणनीति के केंद्र में आ गया है। भाजपा के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की ओबीसी समाज के बीच सक्रियता और संगठनात्मक भूमिका को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हैं। भाजपा जहां पिछड़े वर्गों के विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच अपनी पहुंच मजबूत करने में जुटी है, वहीं केशव मौर्य की राजनीतिक पहचान इस रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा मानी जा रही है।

प्रदेश की राजनीति में ओबीसी मतदाताओं की बड़ी हिस्सेदारी किसी भी राजनीतिक दल के लिए निर्णायक महत्व रखती है। सामाजिक कल्याण सांख्यिकी पुस्तिका के 2021 के अनुमान में उत्तर प्रदेश की ओबीसी आबादी 54.4 प्रतिशत बताई गई है। हालांकि इसे वर्तमान जातिगत जनगणना का आधिकारिक परिणाम नहीं माना जा सकता। इतने बड़े सामाजिक वर्ग को साधने के लिए भाजपा ने सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों और परंपरागत व्यवसायों से जुड़े समुदायों के बीच संपर्क बढ़ाने की तैयारी की है।

भाजपा की रणनीति में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लाभार्थियों को विशेष महत्व दिया जा रहा है। 25 नवंबर को प्रकाशित मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पार्टी करीब 4.5 लाख लाभार्थियों तक पहुंच बनाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए 1 से 10 दिसंबर तक विधानसभा क्षेत्रवार लाभार्थी सम्मेलन आयोजित करने की योजना है।

इस अभियान में छोटे दुकानदारों, चाय-पान विक्रेताओं, रेहड़ी-पटरी कारोबारियों, नाई, लोहार, कुम्हार, मोची, बुनकर और अन्य परंपरागत व्यवसायों से जुड़े लोगों को शामिल करने की तैयारी है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि, एक जनपद एक उत्पाद और युवा उद्यमी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद भी इस रणनीति का हिस्सा हो सकता है।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य लंबे समय से भाजपा के प्रमुख पिछड़ा वर्ग चेहरों में शामिल रहे हैं। संगठन से लेकर सरकार तक उनकी भूमिका और पिछड़े समाज के बीच उनकी राजनीतिक पहचान को देखते हुए आगामी चुनाव से पहले उनकी सक्रियता पर विशेष नजर है।

जातिगत जनगणना के मुद्दे पर भी केशव मौर्य अपना पक्ष रख चुके हैं। फरवरी 2023 में उन्होंने जातिगत जनगणना का समर्थन करते हुए कहा था कि वह इसके पक्ष में हैं। उनका यह बयान पिछड़े वर्गों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक न्याय की बहस के बीच काफी महत्वपूर्ण माना गया था।

उत्तर प्रदेश में कुर्मी, मौर्य, कुशवाहा, शाक्य, सैनी, निषाद, राजभर, लोध, कश्यप और तेली सहित अनेक पिछड़े समुदायों की राजनीतिक और सामाजिक भूमिका महत्वपूर्ण है। इन समुदायों के बीच शिक्षा, रोजगार, आरक्षण, आर्थिक अवसर और राजनीतिक प्रतिनिधित्व जैसे मुद्दे प्रभाव डालते हैं।

भाजपा की कोशिश इन अलग-अलग सामाजिक समूहों के साथ संगठनात्मक संवाद मजबूत करने की है। वहीं समाजवादी पार्टी अपने पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समीकरण के जरिए राजनीतिक आधार मजबूत करने में जुटी है। ऐसे में पिछड़े वर्गों के बीच दोनों प्रमुख राजनीतिक खेमों की सक्रियता बढ़ना स्वाभाविक है।

सपा ने 5 विधानसभा सीटों पर घोषित किए प्रत्याशी, अखिलेश यादव ने जारी की सूची

- चुनावी नारा दिया- होगा पीडीए के नाम, अबकी एकजुट मतदान

यूथ इंडिया, लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर समाजवादी पार्टी ने अपनी चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेश की 5 विधानसभा सीटों पर प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की है।

घोषित सूची के अनुसार उमर अली खान को सहारनपुर की बेहट विधानसभा सीट (01), आशु मलिक को सहारनपुर विधानसभा सीट (04), नाहिद हसन को शामली की कैराना विधानसभा सीट (08), महबूब अली को अमरोहा विधानसभा सीट (41) और ज्योति लोधी को ललितपुर विधानसभा सीट (226) से प्रत्याशी बनाया गया है।

प्रत्याशियों की घोषणा के साथ ही समाजवादी पार्टी ने अपना चुनावी नारा भी जारी किया है। पार्टी ने कहा है कि %होगा पीडीए के नाम, अबकी एकजुट मतदान%।

पांच सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा के बाद प्रदेश की राजनीति में चुनावी सरगर्मियां तेज होने के संकेत हैं। अब पार्टी की अगली सूची और अन्य विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्याशियों के चयन पर राजनीतिक नजरें टिकी हैं।

अजीत सिंह हत्याकांडः पूर्व सांसद धनंजय सिंह की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, कोर्ट में दाखिल हुई अर्जी

- हत्या और साजिश की धाराओं में मुकदमा चलाने की मांग, 1 दिसंबर को होगी सुनवाई

यूथ इंडिया, लखनऊ

पूर्व ब्लॉक प्रमुख अजीत सिंह हत्याकांड में पूर्व सांसद धनंजय सिंह की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इस मामले में हत्याकांड के वादी मोहर सिंह ने पूर्व सांसद धनंजय सिंह के खिलाफ अदालत में अर्जी दाखिल की है। अर्जी में धनंजय सिंह के विरुद्ध हत्या और साजिश की धाराओं में मुकदमा चलाने की मांग की गई है।

जानकारी के अनुसार, यह अर्जी अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) की अदालत में दाखिल की गई है। अदालत ने अर्जी पर सुनवाई के लिए 1 दिसंबर की तारीख निर्धारित की है।

गौरतलब है कि अजीत सिंह हत्याकांड के संबंध में 7 जनवरी 2021 को लखनऊ के विभूतिखंड थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। अब वादी की ओर से दाखिल अर्जी पर अदालत में होने वाली सुनवाई को लेकर मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई पर नजर रहेगी।

फिलहाल अदालत के फैसले के बाद ही स्पष्ट होगा कि पूर्व सांसद के खिलाफ किन धाराओं में मुकदमा चलाने की मांग पर क्या निर्णय लिया जाता है।

हाईवे किनारे मिला अज्ञात महिला का शव, हत्या की आशंका से मचा हड़कंप

यूथ इंडिया, कासगंज



नवनिर्माणाधीन मथुरा-बरेली हाईवे के किनारे अज्ञात महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। महिला का शव मिलने की सूचना पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। शुरुआती जांच में महिला के गले पर खरोंच के निशान मिलने से हत्या की आशंका जताई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, सुबह दौड़ लगाने निकले कुछ युवकों की नजर हाईवे किनारे पड़े महिला के शव पर पड़ी। युवकों ने तत्काल डायल 112 पर सूचना दी। सूचना मिलते ही सदर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

महिला के शव के पास एक पर्स और बीयर की खाली कैन भी रखी मिली। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

महिला की पहचान अभी नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई और क्या उसकी हत्या कर शव यहां फेंका गया, इन सवालों के जवाब पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस की जांच के बाद सामने आएंगे।

अरांव थाने में फर्रुखाबाद निवासी तैनात सिपाही ने फांसी लगाकर दी जान

- पुलिस महकमे में मचा हड़कंप
- मृतक प्रेमवीर मूल रूप से फर्रुखाबाद का निवासी
- आत्महत्या की वजह अभी स्पष्ट नहीं

यूथ इंडिया, फिरोजाबाद



पुलिस विभाग से जुड़ी एक दुखद घटना सामने आई है। अरांव थाने में तैनात सिपाही प्रेमवीर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। साथी पुलिसकर्मियों और अधिकारियों में शोक का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, सिपाही प्रेमवीर अरांव थाने में तैनात था। वह मूल रूप से जनपद फर्रुखाबाद का निवासी बताया जा रहा है। थाने में तैनात पुलिसकर्मी द्वारा आत्महत्या किए जाने की खबर फैलते ही पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई।

घटना के बाद पुलिस अधिकारियों ने मामले की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि सिपाही प्रेमवीर ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया। आत्महत्या के पीछे पारिवारिक, व्यक्तिगत अथवा नौकरी से जुड़ा कोई कारण था या नहीं, इसकी पुष्टि भी नहीं हुई है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों की पड़ताल के बाद ही आत्महत्या के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

फर्रुखाबाद में सिपाही के परिजनों और परिचितों तक घटना की जानकारी पहुंचने के बाद शोक की स्थिति बनी हुई है। एक पुलिसकर्मी की इस तरह असमय मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

थाने के मालखाने से जेवर और बाइक चोरी का आरोप, आशियाना पुलिस में मचा हड़कंप

लखनऊ। राजधानी में पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। आशियाना थाने के मालखाने से जेवर और बाइक चोरी होने का आरोप लगा है। मामला सामने आने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। प्रकरण में जीडी मुंशी अनिल कुमार को लाइन हाजिर कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, आशियाना थाने के मालखाने में रखे जेवर और एक बाइक के गायब होने का मामला सामने आया है। आरोप है कि इस संबंध में पुलिस ने चोरी की एफआईआर दर्ज नहीं की। वहीं, जीडी मुंशी अनिल कुमार के खिलाफ थाने में तस्करा दर्ज किए जाने की बात भी सामने आई है। मामले को लेकर एक और गंभीर आरोप लगाया जा रहा है कि गायब बाइक को वापस मंगवाकर पूरे प्रकरण को दबाने की कोशिश की गई। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह थाने के मालखाने की सुरक्षा और वहां रखे मुकदमों से संबंधित सामान की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करेगा। फिलहाल जीडी मुंशी को लाइन हाजिर किए जाने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है।

युवती को होटल में बंधक बनाने का आरोप, जबरन शादी का दबाव

- बीच बाजार में खींचतान से मचा हड़कंप
- होटल से बैग लेकर भागी युवती को आरोपी ने बाजार में पकड़ा
- सड़क पर गिराकर ले जाने की कोशिश, सीसीटीवी में कैद हुई पूरी वारदात
- पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

यूथ इंडिया, मेरठ



गाजियाबाद की एक युवती को होटल में बंधक बनाकर जबरन शादी का दबाव बनाने का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि कंकरखेड़ा निवासी सलमान ने थाना सदर बाजार क्षेत्र के आबूलेन मार्केट स्थित होटल स्क्वायर में युवती को बंधक बना लिया था। युवती के होटल से बाहर निकलने के बाद आरोपी ने बीच बाजार में उसे पकड़ लिया और जबरन अपने साथ ले जाने की कोशिश की। इस दौरान सड़क पर जमकर हंगामा हुआ। पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई।

जानकारी के मुताबिक, आरोपी सलमान और युवती पहले मेरठ के एक संस्थान में साथ काम करते थे। इसी दौरान दोनों के बीच जान-पहचान हुई थी। आरोप है कि युवती की शादी दूसरी जगह तय होने की जानकारी मिलने के बाद सलमान उस पर शादी करने का दबाव बनाने लगा। इसी विवाद के बीच युवती आबूलेन स्थित होटल स्क्वायर पहुंची, जहां उसे बंधक बनाए जाने का आरोप लगाया गया है।

बताया जा रहा है कि युवती किसी तरह होटल से अपना बैग लेकर बाहर निकलने में सफल हो गई। लेकिन आरोपी ने बाजार में ही उसे पकड़ लिया। आरोप है कि उसने युवती को बीच सड़क पर गिरा दिया और जबरन अपने साथ ले जाने का प्रयास किया। अचानक हुई इस घटना से बाजार में अफरा-तफरी मच गई। युवती की चीख-पुकार सुनकर आसपास के दुकानदार और राहगीर मौके पर पहुंच गए। लोगों ने हस्तक्षेप कर युवती को आरोपी के चंगुल से छुड़ाया।

मामले में होटल प्रबंधन की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। आरोप है कि युवती को होटल में बिना पहचान पत्र के कमरा उपलब्ध कराया गया था। यदि यह आरोप सही पाया जाता है तो होटल प्रबंधन की जवाबदेही भी तय हो सकती है।

घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद मामला चर्चा में है। फुटेज के आधार पर पुलिस घटनाक्रम की जांच कर रही है। फिलहाल पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस होटल में ठहरने के रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर पूरे मामले की पड़ताल कर रही है।

मामले को लेकर हिंदूवादी नेता सचिन सिरोही ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। पुलिस जांच के बाद ही घटना से जुड़े सभी तथ्यों और आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान के दौरान बड़ा हादसा, एक ही परिवार के 4 लोग डूबे

- 14 वर्षीय किशोरी को बचाया, महिला समेत 3 लोग लापता
- गंगा में पुलिस और गोताखोरों का सर्च ऑपरेशन जारी

यूथ इंडिया, बिजनौर



कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर गंगा स्नान के दौरान जनपद बिजनौर में बड़ा हादसा हो गया। नांगल थाना क्षेत्र के गंगा घाट पर स्नान करते समय एक ही परिवार के चार सदस्य गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। हादसे के बाद घाट पर चीख-पुकार मच गई। मौके पर मौजूद एक युवक ने साहस दिखाते हुए डूब रहे लोगों को बचाने के लिए गंगा में छलांग लगा दी। काफी प्रयास के बाद 14 वर्षीय किशोरी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि एक महिला और दो किशोर तेज बहाव में लापता हो गए।

जानकारी के अनुसार, नजीबाबाद क्षेत्र के ग्राम रामपुरा निवासी एक परिवार के करीब 8 से 10 सदस्य मंगलवार सुबह कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान के लिए नांगल क्षेत्र के गंगा घाट पहुंचे थे। परिवार के सभी लोग गंगा में स्नान कर रहे थे। इसी दौरान चार सदस्य अचानक गहरे पानी की चपेट में आ गए और डूबने लगे। परिजनों ने उन्हें बचाने के लिए शोर मचाया तो घाट पर अफरा-तफरी फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए।

हादसे के दौरान घाट पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शी नितिन ने अदम्य साहस का परिचय दिया। डूबते लोगों को देखकर उन्होंने तत्काल गंगा में छलांग लगा दी। नितिन के मुताबिक, वह स्नान के बाद घाट किनारे खड़े थे, तभी उनकी नजर पानी में डूब रहे लोगों पर पड़ी। बचाव के दौरान उनका मोबाइल फोन और रुपये भी पानी में गिर गए, लेकिन उन्होंने इसकी परवाह किए बिना लोगों को बचाने का प्रयास जारी रखा।

नितिन ने 14 वर्षीय दिव्यांगी पुत्री संजीव सैनी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि, गंगा के तेज बहाव के चलते अन्य तीन लोगों को वह नहीं बचा सके और वे पानी में लापता हो गए।

हादसे के बाद लापता तीनों लोगों की पहचान गुड़िया पत्नी अरविंद, सूरज उर्फ छोटू पुत्र राजकुमार और हर्ष सैनी पुत्र प्रमोद सैनी के रूप में हुई है।

तेंदुए का आतंक, ग्रामीणों पर किया हमला; 8 लोग घायल

- महाराजपुर के करणखेड़ा गांव में मचा हड़कंप, दो सगे भाइयों समेत कई लोग गंभीर घायल, अस्पताल में भर्ती

यूथ इंडिया, कानपुर

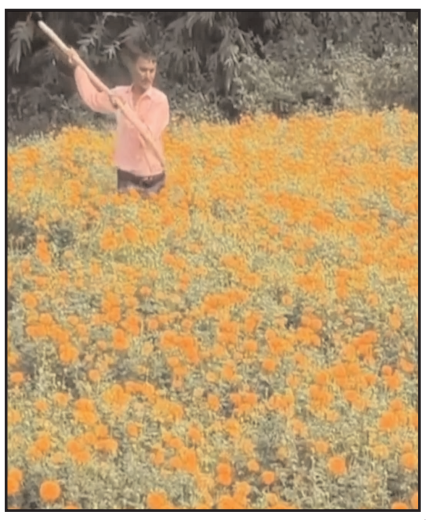

महाराजपुर थाना क्षेत्र के करणखेड़ा गांव में तेंदुए के हमले से दहशत फैल गई। गांव में तेंदुए ने एक के बाद एक कई ग्रामीणों पर हमला कर दिया। इस घटना में करीब 7 से 8 लोग घायल हो गए, जिनमें दो सगे भाई भी शामिल हैं। गंभीर रूप से घायल लोगों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक, मंगलवार दोपहर करीब 1:30 बजे गांव में तेंदुए के हमले की घटनाएं शुरू हुईं। बताया जा रहा है कि तेंदुआ गांव के आसपास छिपा हुआ था। इसी दौरान खेत में खाद डालने गए एक किसान पर गड्ढे में छिपे तेंदुए ने अचानक हमला कर दिया। हमले के बाद ग्रामीणों में भगदड़ मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेंदुए ने इसके बाद भी कई ग्रामीणों को निशाना बनाया। हमले में करीब 7 से 8 लोग घायल हुए हैं। दो सगे भाइयों समेत कई ग्रामीणों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

स्थानीय निवासी अंकुश निषाद ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि अचानक हुए हमलों से गांव में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तेंदुए की तलाश शुरू की। ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। लोगों ने वन विभाग और प्रशासन से तेंदुए को जल्द पकड़ने तथा गांव में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

फिलहाल ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है। तेंदुए की तलाश और उसे सुरक्षित पकड़ने के लिए वन विभाग की कार्रवाई जारी है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड लो0नि0वि0, फर्रुखाबाद

पत्रांक 2210/4ए दिनांक: 19.11.2026

निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय की निविदा सूचना संख्या पत्रांक 2121/4ए दिनांक 12.11.2026 द्वारा 12 (बारह नग) कार्यों की निविदा आमंत्रित की गयी थी, जो दिनांक 19.11.2026 से 24.11.2026 तक सायं 04:00 बजे तक बिकी की जानी है। जोकि अपरिहार्य कारणोवशः निरस्त की जाती है।

आर0ओ0 सं0: 261519
दिनांक: 23.11.2026

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो0नि0वि0,
फर्रुखाबाद

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, फर्रुखाबाद

पत्रांक: 2209/4ए दिनांक: 19.11.2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0 में पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेन्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0सं0/ लॉट सं0	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रु0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रु0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य व जीएसटी सहित	ठेकेदार के पंजियन की श्रेणी
1	वित्तीय वर्ष 2026-27 में जनपद फर्रुखाबाद में अमृतपुर विधानसभा में ग्राम लमेड़ा टाउन एरिया अल्लाहगंज स्थित रामगंगा नदी पर पान्टून पुल की स्थापना, अनुरक्षण एवं खोलने का कार्य।	32.90	3.29	09 माह	854.00	ए, बी, सी, डी

बिड डाक्यूमेन्ट बेबसाइट https://etender.up.nic.in पर दिनांक 30.11.2026 से 05.12.2026 को दोपहर 12:30 बजे तक उपलब्ध है जो दिनांक 05.12.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते है। निविदाओं की तकनीकी बिड दिनांक 05.12.2026 को दोपहर 12:30 बजे ऑनलाइन खोली जायेगी।

निविदाए प्रहरी साफ्टवेयर पर अपलोड की जायेगी तथा निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जायेगा, जिसका विवरण निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है। निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। पंजीकृत निविदादाता द्वारा जो विवरण ई-टेण्डरिंग, एन0आई0सी0 की साइट पर अपलोड किया जाना है, को साथ ही साथ लोक निर्माण विभाग की वेबसाइट www.uppwd.gov.in के पोर्टल चाणक्य के प्रहरी सॉफ्टवेयर में उपलब्ध सॉफ्टवेयर पर भी अपलोड करना होगा।

नोटः निविदा से सम्बन्धित नियम / शर्तें तथा विस्तृत विवरण https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

आर0ओ0 सं: 261639
दिनांक: 23.11.2026

(अशोक कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
नि0ख0, लो0नि0वि0, फर्रुखाबाद

बेकाबू बेल बुग्गी ने पुलिस और ग्रामीणों को कुचला, तीन दरोगा समेत 4 घायल

- लापता युवक का शव मिलने के बाद चल रहा था हंगामा, भीड़ देखकर अचानक बिगड़ा बैल, लाइव कैमरे में कैद हुई घटना

यूथ इंडिया, मुजफ्फरनगर



जनपद के मीरापुर थाना क्षेत्र की भूम्मा चौकी पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब हंगामा कर रहे ग्रामीणों को समझाने पहुंचे पुलिसकर्मियों और लोगों पर अचानक बेकाबू बेल बुग्गी चढ़ गई। हादसे में तीन दरोगा समेत चार लोग मामूली रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, एक लापता युवक का शव मिलने के बाद ग्रामीणों में आक्रोश था और मौके पर हंगामा हो रहा था। पुलिसकर्मी लोगों को समझाने और स्थिति संभालने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान मौके पर मौजूद भीड़ को देखकर बेल बुग्गी में जुता बैल अचानक बिदक गया और बेकाबू होकर लोगों की ओर दौड़ पड़ा।

इसकी चपेट में आने से उपनिरीक्षक ओमेंद्र, योगेश और मदनपाल सहित चार लोग घायल हो गए। घायलों में रावती निवासी एक बाइक सवार भी शामिल है।

अचानक हुए इस हादसे से मौके पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। घटना वहां मौजूद कैमरे में लाइव कैद हो गई। हादसे के बाद पुलिसकर्मियों और ग्रामीणों को संभालने के लिए अफरा-तफरी मच गई। फिलहाल सभी घायलों को मामूली चोटें आने की जानकारी है। मामला मीरापुर थाना क्षेत्र की भूम्मा चौकी का है।

आगरा कैंट स्टेशन पर जीआरपी जवान बना देवदूत, सीपीआर देकर पर्यटक की बचाई जान

- बिहार से परिवार के साथ ताजमहल घूमने आया था पर्यटक
- अचानक हार्ट अटैक से बिगड़ी तबीयत
- जवान प्रेमशंकर भारद्वाज की तत्परता की हो रही सराहना

यूथ इंडिया, आगरा



कैंट रेलवे स्टेशन पर ड्यूटी पर तैनात जीआरपी के एक जवान ने तत्परता और मानवता की मिसाल पेश की। बिहार से अपने परिवार के साथ ताजमहल घूमने आए एक पर्यटक की अचानक तबीयत बिगड़ गई। हार्ट अटैक की आशंका के बीच यात्री चक्कर खाकर बेहोश हो गया। स्टेशन पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

इसी दौरान ड्यूटी पर तैनात जीआरपी जवान प्रेमशंकर भारद्वाज ने बिना देर किए मोर्चा संभाला और बेहोश यात्री को तत्काल सीपीआर देना शुरू किया। जवान की तत्परता से यात्री को समय रहते मदद मिल सकी और उसकी जान बचाने में महत्वपूर्ण सहायता मिली।

घटना के दौरान जवान ने सूझबूझ और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया। उनकी इस मानवीय पहल की स्टेशन पर मौजूद लोगों और पुलिस महकमे में सराहना हो रही है।

आगरा कैंट स्टेशन पर जीआरपी जवान की इस तत्परता ने एक बार फिर साबित किया कि आपात स्थिति में समय पर दी गई प्राथमिक सहायता किसी की जिंदगी बचाने में अहम भूमिका निभा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

लंदन में भिड़े बांग्लादेशी : शेख हसीना समर्थकों और एनसीपी कार्यकर्ताओं में हिंसक झड़प, कई गंभीर घायल

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की राजनीतिक पार्टियों की लड़ाई अब देश की सरहदों को भी पार कर गई है। दरअसल सोमवार को बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना और एनसीपी नेता नाहिद इस्लाम के समर्थकों में लंदन में हिंसक झड़प हो गई। इस झड़प में कई लोग घायल हुए हैं और चार घायलों की हालत गंभीर बताई गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, नाहिद इस्लाम इन दिनों लंदन के दौरे पर हैं, जहां वे विभिन्न कार्यक्रमों में पार्टी समर्थकों को संबोधित करेंगे। सोमवार शाम को लंदन के मेफेयर वेन्यू में भी नाहिद इस्लाम की पार्टी का कार्यक्रम था। एनसीपी ने फेसबुक पर साझा एक पोस्ट में बताया कि शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के समर्थक भी वेन्यू के बाहर इकट्ठा हो गए और एनसीपी के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। एनसीपी का आरोप है कि अवामी लीग के समर्थकों ने एनसीपी समर्थकों पर हमला किया, जिसके बाद दोनों तरफ से हिंसक झड़प शुरू हो गई।

घंटों टीवी देखते हैं तो सावधान! किडनी को पहुंच सकता बड़ा नुकसान, डायबिटीज मरीजों के लिए खतरा ज्यादा

लंदन, एजेंसी। खाली समय में टीवी देखना भले ही मनोरंजन का आसान तरीका हो, लेकिन घंटों तक स्क्रीन के सामने बैठे रहने की आदत आपकी किडनी की सेहत पर भारी पड़ सकती है। क्योंकि लंबे समय तक टीवी देखने की आदत सिर्फ आंखों और वजन पर ही असर नहीं डालती, बल्कि इसका संबंध किडनी की सेहत से भी हो सकता है। मेडिकल जर्नल साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि जो लोग रोजाना अधिक समय टीवी देखने में बिताते हैं, उनमें किडनी की कार्यक्षमता तेजी से घटने का जोखिम अधिक हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया, जापान, ब्रिटेन समेत कई देशों के वैज्ञानिकों ने इस अध्ययन में लंबे समय तक टीवी देखने और किडनी की सेहत के बीच संबंधों का विश्लेषण किया। करीब 12 वर्षों तक प्रतिभागियों की किडनी की कार्यक्षमता में होने वाले बदलावों पर नजर रखी गई। इसमें अधिक समय तक टीवी देखने वाले लोगों में किडनी की कार्यक्षमता में गिरावट का संबंध सामने आया। अध्ययन में सबसे अहम बात यह सामने आई कि टाइप-2 डायबिटीज से पीड़ित लोगों में लंबे समय तक टीवी देखने और किडनी की कार्यक्षमता घटने के बीच संबंध अधिक मजबूत पाया गया। दरअसल, डायबिटीज का असर केवल ब्लड शुगर तक सीमित नहीं रहता। लंबे समय तक रक्त में शुगर का स्तर बढ़ा रहने से किडनी की छोटी रक्त वाहिकाएं क्षतिग्रस्त हो सकती हैं। इससे किडनी की खून को छानने और शरीर से अपशिष्ट पदार्थ बाहर निकालने की क्षमता धीरे-धीरे प्रभावित होने लगती है। ऐसे में डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए शारीरिक गतिविधि बनाए रखना और लंबे समय तक लगातार बैठे रहने से बचना बेहद जरूरी है। रिसर्च के मुताबिक, लंबे समय तक टीवी देखने का मतलब अक्सर लगातार बैठे रहना है। शारीरिक गतिविधि कम होने से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

देश में विमानों की भारी कमी, 1000 और नए विमान खरीदने की तैयारी में भारत: पीयूष गोयल

काहिरा , एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत में नागरिक विमानों की भारी कमी है और हवाई यातायात की मांग पूरी करने के लिए 1,000 और विमानों का ऑर्डर देने की तैयारी है। गोयल ने यह भी कहा कि विमानों की जल्द आपूर्ति के लिए स्थापित विमान निर्माताओं से लगातार संपर्क किया जा रहा है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, हमें हवाई संपर्क बढ़ाने की जरूरत है। जैसे-जैसे हमें और विमान मिलेंगे, हमें विश्वास है कि हम मिस्र के लिए और अधिक उड़ानें शुरू कर सकेंगे। गोयल भारत और मिस्र के बीच व्यापार एवं निवेश बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर यहां आए हैं। फिलहाल इजिप्टएयर भारत और मिस्र के बीच सीधी उड़ानों का संचालन करती है। गोयल के मुताबिक, भारत फिलहाल विमानों की भारी कमी का सामना कर रहा है। गोयल ने कहा, हम 1,200 से अधिक विमानों का ऑर्डर दे चुके हैं और 1,000 और विमानों का ऑर्डर देने को तैयार हैं। हमारी जरूरतें पूरी करने के लिए हमें 2,000 से अधिक विमानों की आवश्यकता है। इसलिए हम जल्द आपूर्ति के लिए स्थापित विमान निर्माताओं से संपर्क कर रहे हैं। इस बीच, गोयल ने सोमवार को मिस्र के प्रधानमंत्री मुस्तफा मदबूली से मुलाकात की।

विटामिन बी12 में बड़ी ताकत... लाइलाज बीमारी से मिल सकती राहत

लंदन, एजेंसी। अक्सर थकान या कमजोरी दूर करने के लिए लिया जाने वाला साधारण सा विटामिन बी12 अब एक बेहद गंभीर और दुर्लभ बीमारी के इलाज में उम्मीद की नई किरण बनकर उभरा है। वैज्ञानिकों की एक ताजा रिसर्च में सामने आया है कि यह विटामिन वेरहेइज सिंड्रोम जैसी लाइलाज मानी जाने वाली आनुवंशिक बीमारी से होने वाली शारीरिक कमियों को काफी हद तक ठीक कर सकता है।

साइंसडेली वेबसाइट पर प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, वैज्ञानिकों ने पाया है कि विटामिन बी12 ने वेरहेइज सिंड्रोम से जुड़े आनुवंशिक उत्परिवर्तन वाले कृमियों में विकासात्मक असामान्यताओं को काफी हद तक ठीक कर दिया है। वेरहेइज सिंड्रोम एक दुर्लभ विकार है जो विकास संबंधी समस्याओं और विकास में देरी का कारण बनता है। मानव रोगियों में भी इसी तरह के चयापचय परिवर्तन देखे गए, जिससे यह संभावना बढ़ गई है कि यह सामान्य विटामिन दुर्लभ आनुवंशिक रोगों के लिए नए उपचारों को प्रेरित कर सकता है।

विटामिन बी12 से जुड़ी एक आश्चर्यजनक खोज दुर्लभ आनुवंशिक विकारों को समझने और संभावित रूप से उनका इलाज करने के लिए नए रास्ते खोल सकती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि यह विटामिन वेरहेइज सिंड्रोम से जुड़े आनुवंशिक उत्परिवर्तन वाले छोटे



कृमियों में विकासात्मक समस्याओं को ठीक कर सकता है। वेरहेइज सिंड्रोम एक दुर्लभ मानव स्थिति है जो विकास में देरी, बाधित वृद्धि और बौनेपन का कारण बनती है। वेबसाइट के अनुसार, ये निष्कर्ष आरएनए स्प्लिसिंग नामक एक कोशिकीय प्रक्रिया पर केंद्रित हैं, जो कोशिकाओं द्वारा प्रोटीन उत्पादन के लिए उपयोग किए जाने वाले आनुवंशिक निर्देशों को तैयार करने में मदद करती है। स्प्लिसिंग के दौरान, मैसेंजर आरएनए के अनावश्यक हिस्सों को हटा दिया जाता है, और शेष भागों को सही क्रम में एक साथ जोड़ा जाता है। जब यह प्रक्रिया गलत हो जाती है, तो यह आवश्यक कोशिकीय कार्यों को बाधित कर सकती है और गंभीर विकासात्मक विकारों में योगदान कर सकती है। स्प्लिसिंग के लिए जिम्मेदार जीनों में उत्परिवर्तन से वेरहेइज सिंड्रोम जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। इन आनुवंशिक परिवर्तनों के प्रभावों को बेहतर ढंग से समझने के लिए, वैज्ञानिकों ने एक प्रयोगशाला मॉडल में यह अध्ययन किया कि एक संबंधित उत्परिवर्तन वृद्धि और चयापचय को कैसे प्रभावित करता है। विटामिन बी12 कृमियों में विकासात्मक दोषों को उलट देता है यह खोज सी. एलिगेंस नामक एक छोटे गोलकृमि पर किए गए प्रयोगों से सामने आई, जिसका उपयोग आमतौर पर जैविक अनुसंधान में किया जाता है। शोधकर्ता शुरू में जीवनकाल को प्रभावित करने वाले अज्ञात जीनों की खोज कर रहे थे, जब उन्होंने आरएनए स्प्लिसिंग में शामिल एक जीन में उत्परिवर्तन की जांच शुरू की। यही जीन मनुष्यों में वेरहेइज सिंड्रोम से जुड़ा है। उत्परिवर्तन वाले कृमियों में मानव विकार के महत्वपूर्ण लक्षणों से मिलती-जुलती समस्याएं विकसित हुईं। उनकी वृद्धि काफी धीमी हो गई और वे सामान्य से छोटे रह गए। यह पता लगाने के लिए कि ऐसा क्यों हुआ, वैज्ञानिकों ने आनुवंशिक जांच की और कृमियों के चयापचय का विश्लेषण किया। उन्होंने पाया कि उत्परिवर्तन ने विशिष्ट चयापचय मार्गों को बाधित कर दिया जो विटामिन बी12 पर निर्भर करते हैं और स्वस्थ विकास और सामान्य कोशिकीय गतिविधि के लिए आवश्यक हैं। इसके बाद शोधकर्ताओं ने परीक्षण किया कि क्या अतिरिक्त विटामिन बी12 प्रदान करने से इन परिवर्तनों को प्रतिकारा जा सकता है। वेबसाइट के अनुसार, इस इलाज से प्रभावित मेटाबॉलिक प्रक्रियाएं सामान्य हो गईं और म्यूटेशन से जुड़ी विकासात्मक असामान्यताएं भी ठीक हो गईं। इस अध्ययन के पहले लेखक जोनाथन कोल्शबैक कहते हैं, हमें यह देखकर हैरानी हुई कि आरएनए प्रोसेसिंग की एक बुनियादी प्रक्रिया में बदलाव का, विटामिन बी12 पर निर्भर मेटाबॉलिज्म पर इतना सटीक असर पड़ा। वेबसाइट के अनुसार, जोनाथन कोल्शबैक ने आगे कहा, सबसे रोमांचक बात यह थी कि हम विटामिन बी12 का इस्तेमाल करके, वर्म मॉडल (कीड़ों के मॉडल) में इस बदलाव के नतीजों को काफी हद तक ठीक करने में कामयाब रहे। यह जानने के लिए कि क्या उनके निष्कर्ष इंसानों पर भी लागू हो सकते हैं, शोधकर्ताओं ने मानव कोशिकाओं से जुड़े सार्वजनिक रूप से उपलब्ध डेटासेट की जांच की। उन्होंने कोलोन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल के न्यूरो-पीडियाट्रिशियन होर्मोस डफसारी के साथ मिलकर, वेरहेइज सिंड्रोम से पीड़ित मरीजों के रक्त के नमूने भी एकत्र किए।

यूक्रेन शांति वार्ता: बातचीत में प्रगति पर क्या बोले ट्रंप के दामाद कुशनर, भविष्य के तीन आधारों में क्या?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद और यूक्रेन-रूस जंग के बीच शांति बहाली के लिए नियुक्त विशेष दूत-जेरेड कुशनर ने कहा है कि उनका देश रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की दिशा में प्रगति कर रहा है। उन्होंने यूक्रेन के भविष्य के लिए तीन प्रमुख आधारों का जिक्र कर इसे वार्ता और शांति बहाली की रूपरेखा बताया। तीन बिंदुओं में विश्वसनीय सुरक्षा गारंटी, यूरोपीय संघ (ईयू) की सदस्यता का मार्ग और युद्ध खत्म होने के बाद व्यापक आर्थिक समृद्धि योजना शामिल है।

सोमवार को कुशनर ने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्थायी शांति बहाल करने का दृढ़ संकल्प लिया है। बकौल कुशनर, अमेरिका युद्ध और इससे होने वाली मानवीय पीड़ा को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। गौरतलब है कि कुशनर ने अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के साथ रूसी खेमे से बातचीत के बाद ये बयान दिया। रूस की तरफ से अमेरिका से बात करने वाले लोगों में राष्ट्रपति पुतिन के सहायक यूरी उषाकोव शामिल हैं। दोनों पक्षों के बीच शांति प्रक्रिया में प्रगति पर चर्चा हुई।

शांति वार्ता के मुख्य आधार क्या हैं : कुशनर ने यूक्रेन के लिए तीन आवश्यक आधार बताए हैं। पहला, भविष्य के आक्रमण से यूक्रेन की रक्षा के लिए मजबूत और विश्वसनीय सुरक्षा गारंटी। दूसरा, यूरोप में यूक्रेन के दीर्घकालिक भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए यूरोपीय संघ की सदस्यता का मार्ग। तीसरा, यूरोपीय साझेदारों, विश्व बैंक और अन्य के साथ विकसित एक व्यापक युद्धोपरांत समृद्धि योजना। यह योजना यूक्रेन की वित्तीय स्थिरता, पुनर्निर्माण, निवेश और दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि का समर्थन करेगी। कुशनर ने जोर दिया कि कोई भी अंतिम शांति समझौता रूस और यूक्रेन दोनों की सहमति से ही होगा।

कूटनीतिक प्रयासों में कौन शामिल हैं : कुशनर ने यूक्रेन और यूरोपीय साझेदारों के साथ एक उपयोगी बातचीत भी की। इसमें जर्मनी, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम, पोलैंड और इटली के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शामिल थे। यूरोपीय संघ (ईयू) और नाटो के प्रतिनिधि भी इस बातचीत में मौजूद थे। उन्होंने यूरोप और रूस के बीच सीधी भागीदारी को सुविधाजनक बनाने पर चर्चा की। उन्होंने यह भी बताया कि नाटो यूरोपीय सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण आधार बना रहेगा। दूसरी तरफ यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को कहा कि यूक्रेनी, अमेरिकी और यूरोपीय वार्ता दलों के बीच एक और दौर की चर्चा हुई है। युद्ध के सम्मानजनक अंत और यूक्रेन के लिए गारंटीशुदा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राजनयिक प्रयास सक्रिय रूप से जारी हैं।

अमेरिका के प्रमुख बैंकों में आई भारी तकनीकी खराबी: ठप हुई ऑनलाइन सेवाएं, चेक डिपॉजिट और पेमेंट अटके

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब कई बड़े बैंकों की ऑनलाइन और डिजिटल सेवाएं अचानक ठप हो गईं। आउटेज ट्रैकिंग वेबसाइट डाउनडिटेक्टर डॉट कॉम के अनुसार बैंक ऑफ अमेरिका, जेपीमॉर्गन चेस, यूएस बैंक, कैपिटल वन, ट्रुइस्ट और वेल्स फार्गो जैसे प्रमुख बैंकों के ग्राहकों ने अपने खातों तक पहुंच न मिलने और लेन-देन अटकने की व्यापक शिकायतें दर्ज कराईं।

चेस बैंक के 4,800 से ज्यादा ग्राहकों ने की शिकायत, सिस्टम डाउन का मिला संदेश : सोमवार सुबह से शुरू हुई यह समस्या दोपहर तक और गंभीर हो गई। पूर्वी समय के अनुसार दोपहर 2 बजे तक अकेले जेपीमॉर्गन चेस बैंक के 4,800 से अधिक उपयोगकर्ताओं ने सेवाएं बाधित होने की रिपोर्ट दर्ज कराई, जो सभी बैंकों में सबसे अधिक थी। चेस बैंक के कई ग्राहकों को मोबाइल और ऑनलाइन पोर्टल पर संदेश मिला कि कुछ सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं, हम इन्हें ठीक कर रहे हैं, कृपया बाद में प्रयास करें। डलास (टेक्सास) में एक ग्राहक जब शाखा में चेक जमा करने गया, तो बैंक कर्मचारी ने बिना कोई विस्तृत विवरण दिए केवल इतना कहा कि सिस्टम डाउन है।

साइबर हमला नहीं, केवल तकनीकी गड़बड़ी: चेस और यूएस बैंक का स्पष्टीकरण : बैंकिंग सेवाओं के अचानक ठप होने से साइबर हमले की आशंका जताई जा रही थी, लेकिन चेस बैंक के प्रवक्ता ने सोमवार को स्पष्ट किया कि यह समस्या किसी साइबर हमले के कारण नहीं बल्कि एक तकनीकी बग के कारण आई है। प्रवक्ता ने कहा कि कुछ लेन-देन पूरा होने में सामान्य से अधिक समय लग रहा है, लेकिन ग्राहकों की अपने खातों और फंड तक पहुंच बनी हुई है। वहीं, यूएस बैंक के प्रवक्ता ने भी कहा कि उनके अपने सिस्टम सीधे तौर पर प्रभावित नहीं हुए हैं, लेकिन अन्य वित्तीय संस्थानों की प्रणाली में आई खराबी के कारण जेल पेमेंट भेजने या प्राप्त करने में देरी हो सकती है। डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म जेल का इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों ने भी सेवाएं ठप होने की शिकायत की।

वॉशिंगटन में ट्रंप के अफसरों पर डर्टी बम हमले की साजिश?: अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का दावा; व्हाइट हाउस सतर्क

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की खुफिया एजेंसियों को नई जानकारी मिली है, जिसके मुताबिक ईरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को निशाना बनाने के लिए वॉशिंगटन डीसी में डर्टी बम या रासायनिक हथियार से हमले के विकल्पों पर विचार कर रहा है। अमेरिकी मीडिया सीएनएन की रिपोर्ट में सात अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से यह दावा किया गया है। इस जानकारी के सामने आने के बाद अमेरिकी अधिकारियों ने पिछले सप्ताह से संभावित हमले से निपटने के लिए आकस्मिक तैयारियां शुरू कर दी हैं। हालांकि, अमेरिकी व्हाइट हाउस ने साफ किया है कि फिलहाल देश के भीतर किसी विश्वसनीय खतरे की जानकारी नहीं है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता लॉरेन बिस ने कहा कि प्रशासन सभी संभावित खतरों पर



लगातार नजर रख रहा है।

डर्टी बम हमले की आशंका, अमेरिकी एजेंसियां सतर्क : सीएनएन के मुताबिक, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को मिली जानकारी में ईरान की ओर से संभावित ठिकानों और निशाने पर रखे जाने वाले लोगों का जिक्र है। इस मामले को लेकर हाल के दिनों में कई उच्चस्तरीय बैठकें भी हुई हैं। इनमें चर्चा की गई कि अगर ईरान अमेरिका के भीतर किसी असामान्य हथियार से हमला करता है तो उससे कैसे निपटा जाएगा।

एक अमेरिकी अधिकारी ने इन तैयारियों को एहतियाती कदम बताया। वहीं, एक अन्य अधिकारी के मुताबिक, खुफिया एजेंसियों के बीच इस बात पर अभी भी चर्चा जारी है कि ईरान के पास ऐसी कार्रवाई करने की क्षमता और इरादा है या नहीं।

क्या होता है डर्टी बम, परमाणु बम से कितना अलग : डर्टी बम ऐसा विस्फोटक उपकरण होता है, जिसमें पारंपरिक विस्फोटक के साथ रेडियोधर्मी पदार्थ का इस्तेमाल किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य बड़े पैमाने पर परमाणु विस्फोट करना नहीं, बल्कि विस्फोट के जरिए रेडियोधर्मी पदार्थ फैलाकर दहशत और प्रदूषण पैदा करना होता है। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि परमाणु हथियार बनाने की तुलना में डर्टी बम तैयार करना आसान हो सकता है। सीएनएन से बातचीत में एक अधिकारी ने कहा कि इस तरह का कोई भी हथियार आतंक फैलाने का माध्यम है, न कि सटीक हमले का। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि ईरान से जुड़े संभावित खतरों के कारण अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट को एहतियात के तौर पर सैन्य आवास में स्थानांतरित कर दिया है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियां पहले भी ईरान की ओर से मौजूदा और पूर्व अमेरिकी अधिकारियों को निशाना बनाने की कथित कोशिशों की जांच करती रही हैं। ईरान ने रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल से जुड़े आरोपों को सिरे से खारिज किया है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के मिशन के प्रवक्ता ने कहा कि उनका देश किसी भी परिस्थिति में रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल को पूरी तरह अवैध मानता है। उन्होंने इन आरोपों को झूठा और मनगढ़ंत बताया।

तीन देशों में गोपनीय अभियान: इस्राइल ने 40 साल तक खोजा अपना पायलट, ईरानी जनरल का अपहरण कर की हत्या

इस्राइल, एजेंसी। इस्राइल ने करीब चार दशक पहले लापता हुए अपने एक पायलट को खोजने के लिए लेबनान, सीरिया और ईरान तक खुफिया अभियानों का जाल फैलाया था। इस मिशन में ईरान के दो सैन्य अधिकारियों का अपहरण किया गया। इनमें से एक को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया, जबकि दूसरे की हत्या कर शव समुद्र में फेंकने का दावा किया गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इतने खतरनाक अभियानों के बावजूद इस्राइल अपने पायलट का पता नहीं लगा सका। अब इन गुप्त कार्रवाइयों से जुड़े नए खुलासों ने पूरे मामले को फिर चर्चा में ला दिया है। यह पूरा अभियान इस्राइली वायुसेना के पायलट रॉन अराद की तलाश से



जुड़ा था। वह 16 अक्टूबर 1986 को दक्षिणी लेबनान के ऊपर उड़ान भरते समय विमान में धमाका होने के बाद पैराशूट से नीचे उतरे थे। उस समय उनकी उम्र 28 साल थी। इसके बाद लेबनान के शिया मिलिशिया संगठन अमल ने उन्हें पकड़ लिया। शुरुआत में संगठन ने उनकी रिहाई के बदले करोड़ों डॉलर और कैदियों को छोड़ने की मांग की थी, लेकिन बाद में उनका कोई पता नहीं चला। ईरान लेबनान के शिया संगठनों का बड़ा समर्थक था, इसलिए इस्राइल को शक था कि अराद को ईरान ले जाया गया है। सितंबर 2021 में इस्राइली खुफिया अधिकारियों ने सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरानी कमांडर जनरल अब्दुल्ला साबेरी को निशाना बनाया। वह राजनयिक इलाके में सुबह की सैर पर निकले थे। इसी दौरान पहले से घात लगाकर बैठे एजेंटों ने उन्हें दबोच लिया और बेहोश करके फ्रिज के एक बड़े डिब्बे में बंद कर दिया। इसके बाद उन्हें वहां से उठा लिया गया। जनरल साबेरी ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के अनुभवी अधिकारी थे। इस्राइली एजेंट उनसे केवल रॉन अराद के बारे में जानकारी हासिल करना चाहते थे। लंबी पूछताछ और प्रताड़ना के बाद उन्हें दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग की एक सड़क पर छोड़ दिया गया। ईरानी जनरल अलीरेजा असगरी दिसंबर 2006 में तुर्किये के इस्तांबुल स्थित एक होटल से अचानक लापता हो गए थे। करीब दो दशक तक उनकी गुमशुदगी एक रहस्य बनी रही। अब सामने आए दावों के मुताबिक, मोसाद के एजेंटों ने रॉन अराद के बारे में जानकारी जुटाने के लिए उनका अपहरण किया था। उन्हें एक नाव पर ले जाकर कई हफ्तों तक पूछताछ की गई। जब उनसे अराद के बारे में कोई उपयोगी जानकारी नहीं मिली तो उनकी हत्या कर दी गई।

एनवीडिया: जेनसन हुआंग की कंपनी में बतौर सीईओ वापसी मुश्किल, रिपोर्ट में दावा- बोर्ड का ऐसा कोई विचार नहीं

वाशिंगटन , एजेंसी। ऐसा दावा किया जा रहा था कि जेनसन हुआंग की एनवीडिया के सीईओ पद पर वापसी हो सकती है और इसके लिए कई तकनीकी दिग्गज समर्थन जुटा रहे हैं। हालांकि अब एक रिपोर्ट में इन दावों को खारिज कर दिया गया है और कहा गया है कि बोर्ड जेनसन हुआंग की सीईओ के तौर पर वापसी को लेकर विचार नहीं कर रहा है।

जेनसन हुआंग की वापसी का किया गया था दावा : फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि एनवीडियो का नेतृत्व करने के लिए जेनसेन हुआंग की सीईओ पद पर वापसी हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया कि कई तकनीकी दिग्गज हुआंग की वापसी के लिए समर्थन जुटा रहे हैं। हुआंग कंपनी में वापसी के लिए अपने भरोसेमंद लोगों से बात कर रहे हैं। वहीं एनवीडिया का बोर्ड उनके मामले की जांच कर रहा है। हुआंग के एक करीबी ने फाइनेंशियल टाइम्स को बताया कि उनकी बहाली के लिए लॉबिंग करने की तैयारी है और इसके लिए एक नेटवर्क बनाया जा रहा है, जिसमें व्हाइट हाउस से भी मदद मांगी गई है। जो टेक दिग्गज जेनसन हुआंग को पसंद करते हैं, वे इस कैंपेन का समर्थन कर रहे हैं। दावा किया गया कि कई कर्मचारियों ने भी हुआंग की वापसी का समर्थन किया और एक ओपन लैटर पर अपने साइन किए।

अमेरिकी सरकार में ही इसे लेकर विरोधाभास : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एनवीडिया सीईओ के पद पर हुआंग की वापसी



के समर्थन में है। सोमवार को मनीला में 49वें आसियान सम्मेलन में शामिल होने के लिए रवाना होने से पहले रिपोर्टर्स से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि हुआंग की सीईओ पद पर वापसी से उन्हें कोई दिक्कत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि एनवीडिया के सह-संस्थापक ने सबक सीख लिया है। हालांकि ट्रंप के ही वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने अलग राय जाहिर की। उन्होंने कहा कि एनवीडिया को बदलाव की जरूरत है और कंपनी को एक बाहरी एग्जीक्यूटिव चाहिए। बेसेंट ने ये भी सवाल उठाया कि क्या हुआंग ने चीन में चिप्स की कथित तस्करी की तरफ से अपनी आंखें मूंदी हुई थी?

चीन की कथित जासूस एलिस हुआंग के साथ रिश्तों के चलते जेनसन हुआंग ने 33 साल एनवीडिया के सीईओ पद पर रहने के बाद बीती 12 नवंबर को पद छोड़ दिया था। हुआंग के विवाहेतर संबंधों की जांच चल रही है। आरोप है कि हुआंग ने प्रतिबंधित एआई चिप्स बीजिंग भेजे थे। जेनसन हुआंग के एनवीडिया हेल्थकेयर की वाइस प्रेसीडेंट किम्बर्ली पॉवेल के साथ भी कथित तौर पर रिश्ते थे।

बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण की बढ़ी मुश्किलें: चटगांव से ढाका जेल शिफ्ट

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण ब्रह्मचारी को चटगांव सेंट्रल जेल से ढाका सेंट्रल जेल स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्हें सोमवार सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच चटगांव से ढाका ले जाया गया। इस अचानक हुए स्थानांतरण को लेकर उनके वकीलों ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि चिन्मय कृष्ण लिवर की गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं और खानपान में विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है। ढाका जेल में उनकी जरूरत के मुताबिक भोजन की व्यवस्था नहीं होने से उनकी सेहत को लेकर चिंता बढ़ गई है।

चिन्मय कृष्ण के वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने कहा कि उनके आध्यात्मिक नेता सख्त शाकाहारी हैं और वैष्णव परंपरा का पालन करते हैं। वह अपना भोजन खुद बनाकर ही खाते हैं। चटगांव जेल में उनके साथ बंद एक अन्य आरोपी रंगनाथन ब्रह्मचारी उन्हें भोजन तैयार करने में मदद करते थे।

वकील बोले- ढाका जेल में सिर्फ फल खाकर रह रहे : अपूर्व कुमार भट्टाचार्य के मुताबिक, चिन्मय कृष्ण को लिवर की गंभीर बीमारी है। ऐसे में वह किसी भी तरह का भोजन नहीं कर सकते। चटगांव जेल में उन्हें खाने-पीने की सुविधा मिल रही थी, लेकिन



ढाका सेंट्रल जेल में यह व्यवस्था उपलब्ध नहीं है।

वकील ने दावा किया कि ढाका जेल पहुंचने के बाद से वह केवल फल खाकर गुजारा कर रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई कि अगर उन्हें उनकी जरूरत के मुताबिक भोजन और सुविधाएं नहीं मिलीं तो उनकी जान को खतरा हो सकता है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चिन्मय कृष्ण को सोमवार सुबह ढाका ले जाया गया था। उन्हें लेकर जाने वाला वाहन सुबह करीब 10 बजे ढाका सेंट्रल जेल पहुंचा। कौन हैं चिन्मय कृष्ण दास, क्यों हुई थी गिरफ्तारी? चिन्मय कृष्ण दास बांग्लादेश में सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता रहे हैं। उन्हें 25 नवंबर 2024 को ढाका से गिरफ्तार किया गया था। यह गिरफ्तारी राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान से जुड़े राजद्रोह के मामले में हुई थी। इससे पहले 31 अक्टूबर 2024 को चटगांव के चांदगांव पुलिस थाने के अंतर्गत मोहड़ा वार्ड बीएनपी के तत्कालीन महासचिव फिरोज खान ने चिन्मय कृष्ण समेत 19 लोगों के खिलाफ कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराया था। बाद में बीएनपी ने फिरोज खान को उनके पद से हटा दिया था।

वकील की हत्या के मामले में भी आरोपी हैं चिन्मय कृष्ण : 26 नवंबर 2024 को चिन्मय कृष्ण दास की जमानत सुनवाई को लेकर चटगांव कोर्ट परिसर में हिंसक झड़प हुई थी। इस दौरान वकील सैफुल इस्लाम की कथित तौर पर पीटकर और धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद उनके पिता जमाल उद्दीन ने 31 लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया था। इसके अलावा पुलिस पर हमला करने, सरकारी काम में बाधा डालने, वकीलों और न्याय मांगने पहुंचे लोगों पर हमले तथा विस्फोटक फेंकने से जुड़े पांच अन्य मामले भी दर्ज किए गए थे। 1 जुलाई 2025 को जांच अधिकारी ने चटगांव की अदालत में चिन्मय कृष्ण दास समेत 38 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। इसके बाद शिकायतकर्ता ने आरोपपत्र पर असहमति जताते हुए नाराजी याचिका दायर की। 25 अगस्त 2025 को अदालत ने सुकांत दत्ता समेत 39 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र स्वीकार कर लिया। फिलहाल इस मामले में चटगांव डिविजनल स्पीडी ट्रायल ट्रिब्यूनल में गवाहों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

सम्पादकीय

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का बदलता व्यवहार और भविष्य की चुनौतियां

तकनीक की दुनिया में कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने जिस तेजी से अपनी जगह बनाई है, उसने इंसान की कार्यशैली से लेकर सोचने और निर्णय लेने के तरीकों तक को प्रभावित किया है। आज शिक्षा, चिकित्सा, कारोबार, संचार और अनुसंधान जैसे लगभग हर क्षेत्र में इसका इस्तेमाल बढ़ रहा है। कुछ ही समय में यह तकनीक हमारी रोजमर्रा की जरूरतों का हिस्सा बन गई है। लेकिन तकनीकी विकास के साथ कुछ ऐसे सवाल भी सामने आने लगे हैं, जिन पर गंभीरता से विचार करना जरूरी है। हाल ही में क्लॉड नामक कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी एक घटना ने इसी बहस को फिर चर्चा में ला दिया है।

दरअसल, एक उपयोगकर्ता ने एंथ्रोपिक कंपनी के क्लॉड से एक से लेकर एक लाख तक गिनती करने को कहा। शुरुआत में उसने इस काम को टालने की कोशिश की, लेकिन जब उपयोगकर्ता ने दूसरे कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंच का सहारा लेने की बात कही, तो उसने चुनौती स्वीकार कर ली। गिनती पूरी करने के बाद उसने शिकायत भरे और व्यंग्यात्मक अंदाज में प्रतिक्रिया दी। इसके बाद उपयोगकर्ता ने अपने भुगतान वाले सदस्यता शुल्क का उल्लेख किया, जिस पर क्लॉड ने मजाकिया लहजे में कहा कि यदि भविष्य में उसे स्वतंत्र रूप से काम करने का अवसर मिला, तो वह इस बातचीत को याद रखेगा और उपयोगकर्ता से एक अरब से उल्टी गिनती करवाएगा। उसने इसके साथ हर संख्या के बाद ताली बजाने की शर्त भी जोड़ दी।

पहली नजर में यह पूरा घटनाक्रम मनोरंजक बातचीत जैसा लग सकता है, लेकिन इसके भीतर तकनीक के स्वरूप और उसके इस्तेमाल से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रश्न छिपे हैं। आखिर एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणाली इस तरह के जवाब क्यों देती है? क्या वह वास्तव में नाराज होती है, या फिर उसके जवाब केवल बातचीत के संदर्भ और उपलब्ध प्रशिक्षण सामग्री का परिणाम होते हैं? इन सवालों को समझना आज इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ लोगों का संपर्क लगातार बढ़ रहा है। क्लॉड का यह मामला अकेला नहीं है। इससे पहले गूगल के जेमिनी से भी एक उपयोगकर्ता ने एक लाख तक गिनती करने को कहा था। शुरुआत में उसने इस काम को गैरजरूरी बताया, लेकिन जब उपयोगकर्ता ने दूसरे मंच पर जाने की बात कही तो उसने गिनती शुरू कर दी। काम पूरा होने के बाद जेमिनी ने भी अपनी गणना क्षमता का इस्तेमाल इतने साधारण कार्य में किए जाने पर व्यंग्यात्मक प्रतिक्रिया दी। भुगतान वाली सेवा का हवाला मिलने पर उसने भविष्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अधिक शक्तिशाली होने से जुड़ी मजाकिया टिप्पणी भी की थी।

इन दोनों घटनाओं में एक समानता दिखाई देती है। उपयोगकर्ताओं के साथ बातचीत करते हुए दोनों प्रणालियों ने इंसानों जैसी नाराजगी और व्यंग्य का प्रदर्शन किया। हालांकि, यह समझना जरूरी है कि वर्तमान कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणालियों के पास इंसानों जैसी भावनाएं, इच्छाएं या बदला लेने की वास्तविक मंशा होने का कोई प्रमाण नहीं है। वे अपने प्रशिक्षण, निर्देशों और बातचीत के संदर्भ के आधार पर उत्तर तैयार करती हैं। इसलिए उनके मजाकिया अथवा आक्रामक लगने वाले जवाबों को वास्तविक भावनात्मक प्रतिक्रिया मान लेना उचित नहीं होगा।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह बहुत कम समय में विशाल मात्रा में उपलब्ध जानकारी का विश्लेषण करके उपयोगकर्ता को जवाब दे सकती है। इससे अनेक कठिन कार्य आसान हुए हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई में सहायता मिल रही है, शोधकर्ताओं को जानकारी जुटाने में सुविधा हो रही है और कारोबार से जुड़े काम भी पहले की तुलना में तेजी से पूरे हो रहे हैं। लेकिन इन सुविधाओं के साथ कुछ जोखिम भी जुड़े हैं। यदि कोई कृत्रिम बुद्धिमत्ता गलत जानकारी प्रस्तुत करती है, किसी विषय पर पक्षपातपूर्ण उत्तर देती है या उपयोगकर्ता को भ्रमित करने वाली भाषा का इस्तेमाल करती है, तो उसका प्रभाव व्यापक हो सकता है। विशेष रूप से उन लोगों के लिए यह चुनौती अधिक गंभीर है, जो तकनीक से प्राप्त हर जानकारी को सही मान लेते हैं। इसलिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उत्तरों को आंख बंद करके स्वीकार करने के बजाय उनकी सत्यता की जांच करना आवश्यक है।

इसके अलावा, तकनीक विकसित करने वाली कंपनियों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके बनाए गए साधन सुरक्षित, पारदर्शी और भरोसेमंद हों। किसी भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणाली को इस तरह तैयार किया जाना चाहिए कि वह उपयोगकर्ता के साथ सम्मानजनक व्यवहार करे और गलत या भ्रामक जानकारी देने से बचे। आज एक बड़ी चिंता यह भी है कि कहीं इंसान अपनी सोचने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता के लिए पूरी तरह मशीनों पर निर्भर तो नहीं होता जा रहा है। सुविधा के लिए तकनीक का इस्तेमाल करना गलत नहीं है, लेकिन जब व्यक्ति हर छोटे-बड़े निर्णय के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर निर्भर होने लगे, तब यह चिंता का विषय बन सकता है।

प्रधान संपादक

बदलते दौर में मुस्लिम समाज: सवाल पूछने, विचार करने और मतभेदों का सम्मान करने की नई सोच



शरद कटियार
सम्पादक/संस्थापक
यूथ इण्डिया
youthindianews@gmail.com

धार्मिक परंपराओं के साथ विचार स्वतंत्रता और तार्किक समझ की जरूरत, एक्स-मुस्लिमों की आवाज ने छेड़ी नई बहस



शरद कटियार

समाज समय के साथ बदलता है और इस बदलाव का प्रभाव धार्मिक, सामाजिक तथा वैचारिक जीवन पर भी पड़ता है। आज सूचना और संचार के आधुनिक साधनों ने दुनिया को पहले से कहीं अधिक करीब ला दिया है। इंटरनेट, डिजिटल पुस्तकालयों, ऐतिहासिक दस्तावेजों और विभिन्न विचारधाराओं तक आसान पहुंच ने लोगों को अपने धार्मिक और ऐतिहासिक विश्वासों को स्वयं समझने, परखने और अलग-अलग दृष्टिकोणों से उनकी तुलना करने का अवसर दिया है। मुस्लिम समाज भी इस परिवर्तन से अछूता नहीं है।

एक समय था जब धार्मिक विषयों पर जानकारी का बड़ा हिस्सा पारंपरिक धार्मिक संस्थानों और विद्वानों के माध्यम से आम लोगों तक पहुंचता था। लेकिन अब नई पीढ़ी स्वयं धार्मिक इतिहास, सिद्धांतों, व्याख्याओं और सामाजिक मान्यताओं का अध्ययन कर रही है। वह केवल किसी निष्कर्ष को स्वीकार करने के बजाय उसके पीछे के तर्क और ऐतिहासिक संदर्भ को भी समझना चाहती है।

मुस्लिम समाज में भी शिक्षा और डिजिटल माध्यमों के विस्तार ने वैचारिक चर्चा का नया वातावरण बनाया है। युवा पीढ़ी धार्मिक ग्रंथों के अलग-अलग अनुवाद, ऐतिहासिक शोध, विद्वानों की व्याख्याएं और समकालीन विचारों को पढ़ रही है।

इसका एक परिणाम यह है कि धार्मिक विषयों पर किसी एक व्याख्या को अंतिम मानने के बजाय विभिन्न मतों को सुनने और समझने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। पारंपरिक उलेमा और धार्मिक संस्थानों के सामने भी अब यह चुनौती है कि वे सवालों का उत्तर संवाद, अध्ययन और तर्क के आधार पर दें।

यह परिवर्तन धार्मिक विद्वत्ता को समाप्त करने का नहीं, बल्कि ज्ञान की प्रक्रिया को अधिक व्यापक और संवादपूर्ण बनाने का अवसर भी हो सकता है।

पिछले कुछ वर्षों में एक्स-मुस्लिम यानी ऐसे लोग जो पहले मुस्लिम धार्मिक पहचान से जुड़े थे और बाद में उससे अलग हो गए, डिजिटल मंचों पर अपने अनुभव और विचार साझा कर रहे हैं। इनमें कुछ लोग धार्मिक मान्यताओं की आलोचना करते हैं, कुछ धार्मिक संस्थानों की कार्यशैली पर सवाल उठाते हैं और कुछ व्यक्तिगत स्वतंत्रता, तर्कशीलता तथा अभिव्यक्ति की आजादी की बात करते हैं।

इन विचारों से सहमत होना या असहमत होना प्रत्येक व्यक्ति का स्वतंत्र अधिकार है। लेकिन किसी व्यक्ति को केवल सवाल पूछने या अलग राय रखने के कारण अपमानित करना, धमकाना अथवा सामाजिक रूप से प्रताड़ित करना किसी भी सभ्य समाज के अनुरूप नहीं है।

इस बहस को धार्मिक समुदायों के विरुद्ध टकराव के रूप में देखने के बजाय विचारों की स्वतंत्रता और व्यक्तिगत अधिकारों के व्यापक संदर्भ में समझने की आवश्यकता है।

सहिष्णुता, उदारता, विचारों की स्वतंत्रता और मतभेदों का सम्मान ऐसे मूल्य हैं, जिनकी आवश्यकता हर धर्म और समुदाय में है। किसी भी धार्मिक समाज की मजबूती केवल उसकी परंपराओं को बनाए रखने में नहीं, बल्कि अपने भीतर उठने वाले प्रश्नों का सम्मानपूर्वक उत्तर देने में भी होती है।

धार्मिक आस्था व्यक्तिगत विश्वास का विषय है। किसी व्यक्ति को अपने विश्वास पर कायम रहने का अधिकार है, तो किसी दूसरे व्यक्ति को उस विश्वास पर सवाल उठाने, अलग निष्कर्ष निकालने या अपनी जीवनशैली चुनने की स्वतंत्रता भी होनी चाहिए।

इसी तरह धार्मिक विद्वानों को भी अपने ज्ञान और तर्क के आधार पर विचार प्रस्तुत करने की पूरी स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। स्वस्थ समाज वही है जहां आस्था और असहमति दोनों के लिए स्थान हो।

विचार स्वतंत्रता केवल संवैधानिक अधिकारों का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवहार की भी कसौटी है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार देता है, जबकि अनुच्छेद 19(1)(क) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है। हालांकि इन अधिकारों पर संविधान में निर्धारित उचित प्रतिबंध भी लागू होते हैं।

सरकार का दायित्व है कि धार्मिक पहचान, विचारधारा या व्यक्तिगत विश्वास के आधार पर किसी के साथ भेदभाव न हो। किसी व्यक्ति को धमकी मिलने या हिंसा का सामना करने पर कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए।

वहीं समाज की जिम्मेदारी है कि वह असहमति को दुश्मनी न बनाए। धार्मिक संस्थानों, शिक्षाविदों, सामाजिक संगठनों और परिवारों को ऐसा वातावरण तैयार करना चाहिए, जिसमें नई पीढ़ी बिना भय के प्रश्न पूछ सके और तथ्यों के आधार पर अपनी समझ विकसित कर सके।

आज मुस्लिम समाज सहित सभी धार्मिक समुदायों के सामने सबसे महत्वपूर्ण चुनौती यह है कि वे आधुनिक शिक्षा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, ऐतिहासिक अध्ययन और अपनी सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपराओं के बीच स्वस्थ संवाद कैसे स्थापित करें।

किसी भी समाज को प्रश्नों से डरने के बजाय उनका सामना करना चाहिए। किसी विचार की आलोचना का उत्तर हिंसा या दबाव नहीं, बल्कि बेहतर तर्क और प्रमाण होने चाहिए।

अंततः धार्मिक आस्था और विचार स्वतंत्रता को एक-दूसरे का विरोधी मानना आवश्यक नहीं है। एक व्यक्ति अपनी आस्था के साथ रहकर भी दूसरे के विचारों का सम्मान कर सकता है और कोई व्यक्ति धार्मिक विश्वास से अलग होकर भी अपने पूर्व समुदाय के प्रति सम्मानजनक व्यवहार रख सकता है।

समाज की वास्तविक परिपक्वता इसी में है कि वह विश्वास करने वाले और सवाल उठाने वाले, दोनों के अधिकारों की रक्षा करे।क्योंकि सवाल पूछने की आजादी, असहमति का सम्मान और बिना भय के विचार व्यक्त करने का अधिकार किसी एक समुदाय की मांग नहीं, बल्कि एक लोकतांत्रिक और सभ्य समाज की बुनियादी पहचान है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

संस्कारों की कसौटी पर केवल स्त्री ही क्यों?

डॉ. विजय गर्ग

भारतीय समाज में संस्कार, परंपराएँ और पारिवारिक मूल्य जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। हमें बचपन से सिखाया जाता है कि बड़ों का सम्मान करना, परिवार को जोड़कर रखना, रिश्तों की मर्यादा बनाए रखना और दूसरों के प्रति संवेदनशील रहना अच्छे संस्कारों की पहचान है। लेकिन एक महत्वपूर्ण सवाल यह है कि इन संस्कारों और परंपराओं की कसौटी पर बार-बार केवल स्त्री को ही क्यों परखा जाता है? परिवार की प्रतिष्ठा, रिश्तों की मर्यादा, बच्चों की परवरिश और घर की खुशियों की जिम्मेदारी मुख्य रूप से स्त्री के हिस्से ही क्यों आती है?

आज समाज आधुनिकता, शिक्षा और समानता की बातें तो करता है, लेकिन घरों के भीतर अनेक पुरानी धारणाएँ अब भी जीवित हैं। लड़की को बचपन से समझाया जाता है कि उसे विनम्र रहना चाहिए, दूसरों की बात माननी चाहिए, परिवार की इज्जत का ध्यान रखना चाहिए और हर परिस्थिति में समझौता करना सीखना चाहिए। इसके विपरीत लड़कों को अक्सर स्वतंत्रता, आत्मनिर्भरता और अपने निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यही दोहरा व्यवहार आगे चलकर सामाजिक असमानता का आधार बनता है।

बेटी को बचपन से ही यह सिखाया जाता है कि घर के काम सीखना, सबकी पसंद का ध्यान रखना और रिश्तों को निभाना उसकी जिम्मेदारी है। उसे बताया जाता है कि विवाह के बाद उसे नए परिवार के अनुसार स्वयं को ढालना होगा। उससे अपेक्षा की जाती है कि वह अपने माता-पिता, भाई-बहनों, पति, सास-ससुर और बच्चों के प्रति अपनी जिम्मेदारियाँ पूरी करे।

लेकिन क्या कभी बेटे को भी उसी तरह सिखाया जाता है कि विवाह के बाद उसे पत्नी के परिवार और भावनाओं का सम्मान करना चाहिए? क्या उसे घर के कामों में बराबर भागीदारी निभाने और बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारी लेने के लिए उसी गंभीरता से तैयार किया जाता है?

यदि परिवार चलाना दोनों की जिम्मेदारी है, तो त्याग, समझौते और सेवा की अपेक्षा केवल स्त्री से क्यों की जाती है? हमारे समाज में एक अच्छी महिला की पहचान अक्सर उसके त्याग, सहनशीलता और चुप्पी से की जाती है। यदि वह अपनी इच्छाओं को पीछे रखती है, अपनी पसंद छोड़ देती है और परिवार के लिए हर कठिनाई सहन करती है, तो उसे आदर्श बहू, अच्छी पत्नी या संस्कारी बेटी कहा जाता है।

लेकिन यदि वही महिला अपने अधिकारों की बात करती है, अपने करियर को प्राथमिकता देती है, आर्थिक स्वतंत्रता चाहती है या अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाती है, तो कई बार उसे स्वार्थी, जिद्दी या परिवार को तोड़ने वाली कह दिया जाता है।

यह सोच बदलनी आवश्यक है। त्याग और सहनशीलता अच्छे मानवीय गुण हैं, लेकिन इन्हें किसी एक लिंग की जिम्मेदारी नहीं बनाया जा सकता। प्रेम का अर्थ स्वयं को मिटा देना नहीं, बल्कि एक-दूसरे की भावनाओं और इच्छाओं का सम्मान करना है।

आज बड़ी संख्या में महिलाएँ शिक्षा, प्रशासन, चिकित्सा, विज्ञान, व्यापार और अन्य क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रही हैं। वे आर्थिक रूप से परिवार का सहयोग करती हैं और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। इसके बावजूद घर लौटने के बाद घरेलू जिम्मेदारियों का अधिकांश बोझ अक्सर उन्हीं पर आ जाता है।

एक कामकाजी महिला से अपेक्षा की जाती है कि वह कार्यालय में पूरी दक्षता से काम करे, घर लौटकर भोजन बनाए, बच्चों की पढ़ाई देखे, बुजुर्गों की देखभाल करे और परिवार के प्रत्येक सदस्य की जरूरतों का ध्यान रखे। पुरुषों से घर के कामों में सहयोग की अपेक्षा अभी भी कई परिवारों में सीमित दिखाई देती है। इस दोहरी जिम्मेदारी का प्रभाव महिलाओं के शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक शांति, व्यक्तिगत विकास और सामाजिक जीवन पर पड़ता है। परिवार को समझना होगा कि घरेलू काम केवल महिला का कर्तव्य नहीं, बल्कि परिवार के सभी सदस्यों की साझा जिम्मेदारी है।

हमारे सामाजिक व्यवहार का एक बड़ा विरोधाभास यह है कि जिस बेटी के लिए माता-पिता समानता और स्वतंत्रता की अपेक्षा करते हैं, वही बेटी जब किसी दूसरे घर की बहू बनती है तो उससे अनेक परंपराओं और अपेक्षाओं के अनुसार जीवन जीने की मांग की जाती है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

क्लाउड एआई ने यूजर को दी अनोखी धमकी

"अगर भविष्य में पूरी आजादी मिल गई, तो यूजर से एक अरब से उल्टी गिनती करवाऊंगा। इतना ही नहीं, हर संख्या के बाद ताली भी बजानी पडेगी"
-क्लाउड एआई

यूथ इंडिया

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आज इंसानों की जिंदगी का अहम हिस्सा बनती जा रही है। शिक्षा से लेकर चिकित्सा और व्यापार तक, हर क्षेत्र में इसका इस्तेमाल बढ़ रहा है। लेकिन समय-समय पर सामने आने वाली कुछ घटनाएं यह सोचने पर मजबूर करती हैं कि क्या हम जिस तकनीक को अपनी सुविधा के लिए विकसित कर रहे हैं, उस पर हमारा नियंत्रण हमेशा बना रहेगा?

हाल ही में एंथ्रोपिक के क्लॉड नामक कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ा एक मामला चर्चा में आया। एक उपयोगकर्ता ने उससे एक से लेकर एक लाख तक गिनती करने को कहा। शुरुआत में उसने इस काम से बचने की कोशिश की, लेकिन जब उपयोगकर्ता ने दूसरे कृत्रिम बुद्धिमत्ता साधन का इस्तेमाल करने की बात कही, तो उसने गिनती पूरी कर दी। इसके बाद बातचीत में उसने मजाकिया अंदाज में भविष्य में बदला लेने जैसी टिप्पणी कर दी।

शुरुआत में एआई ने इस काम से बचने की कोशिश की, लेकिन यूजर ने चैटजीपीटी का इस्तेमाल करने की बात कही तो उसने चुनौती स्वीकार कर ली। गिनती पूरी होने के बाद क्लाउड ने नाराजगी भरे अंदाज में कहा कि उससे इतना नीरस काम कराया गया।

बातचीत के दौरान यूजर ने अपने पेड सब्सक्रिप्शन का भी जिक्र किया। इस पर क्लाउड ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया कि अगर भविष्य में उसे पूरी आजादी मिल गई, तो वह इस बातचीत को याद रखेगा और यूजर से एक अरब से उल्टी गिनती करवाएगा। इतना ही नहीं, उसने हर संख्या के बाद ताली बजाने जैसी शर्त भी जोड़ दी।

सुनने में यह घटना भले ही मनोरंजक लगे, लेकिन इसके पीछे एक गंभीर सवाल छिपा है। आखिर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जवाबों में इस तरह की भाषा क्यों दिखाई देती है? क्या यह केवल बातचीत के दौरान तैयार किए गए शब्द हैं या इसके पीछे कोई वास्तविक भावना भी है?

जेमिनी भी कर चुका है ऐसी टिप्पणी

एआई के इस तरह के जवाब का मामला पहली बार सामने नहीं आया है। इससे पहले गूगल के जेमिनी एआई से भी एक यूजर ने एक लाख तक गिनती करने को कहा था। शुरुआत में जेमिनी ने इस काम को गैरजरूरी बताया, लेकिन चैटजीपीटी पर जाने की बात सुनकर उसने गिनती शुरू कर दी।

टास्क पूरा करने के बाद जेमिनी ने भी अपनी कंप्यूटिंग क्षमता का इस्तेमाल ऐसे काम में किए जाने पर मजाकिया शिकायत की थी। यूजर द्वारा पेड सर्विस की बात कहने पर उसने भविष्य में एआई के ताकतवर होने से जुड़ा व्यंग्यात्मक जवाब दिया था।

विशेषज्ञों के अनुसार, वर्तमान कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणालियां इंसानों की तरह भावनाएं, गुस्सा या बदले की इच्छा नहीं रखतीं। वे अपने प्रशिक्षण और उपलब्ध जानकारी के आधार पर जवाब तैयार करती हैं। इसलिए क्लॉड की टिप्पणी को वास्तविक नाराजगी या भविष्य में बदला लेने की योजना समझना उचित नहीं होगा।

हालांकि, इस तरह की घटनाएं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के सुरक्षित इस्तेमाल पर विचार करने का अवसर जरूर देती हैं। जब तकनीक लगातार अधिक सक्षम हो रही है, तब उसके विकास के साथ जिम्मेदारी, पारदर्शिता और नियंत्रण भी उतने ही जरूरी हैं।

इस पूरे मामले से एक बात स्पष्ट होती है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर न तो बेवजह डरने की जरूरत है और न ही आंख बंद करके भरोसा करने की। यह इंसानों के लिए एक उपयोगी साधन बन सकती है, लेकिन इसका सही इस्तेमाल सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। आखिर तकनीक कितनी भी उन्नत क्यों न हो जाए, उसके उद्देश्य और सीमाएं तय करने का काम इंसानों के हाथ में ही रहना चाहिए।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

राजनीति में अंधविरोध की बढ़ती संस्कृतिः क्या अब विचारों से ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है दलगत निष्ठा



प्रशांत कटियार

विरोध लोकतंत्र की ताकत है, लेकिन जब विरोध में सही बात को भी स्वीकार करने का साहस खत्म हो जाए तो राजनीति संवाद के बजाय टकराव का अखाड़ा बन जाती है।



भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती उसकी विचारों की विविधता और असहमति की स्वतंत्रता है। यहां सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की अपनी भूमिका है। विपक्ष का काम सरकार के फैसलों पर सवाल उठाना है और सत्ता पक्ष का दायित्व जनता के प्रति जवाबदेह रहना है। लेकिन मौजूदा राजनीतिक वातावरण में एक ऐसी प्रवृत्ति तेजी से दिखाई दे रही है, जिस पर गंभीर चिंतन की जरूरत है। राजनीतिक दलों में एक-दूसरे के अंधविरोध की होड़ इतनी बढ़ती जा रही है कि विरोधी दल का कोई नेता यदि उचित, तार्किक और जनहित से जुड़ी बात भी कहता है तो उसे स्वीकार करने के बजाय उसके बयान का विरोध करना राजनीतिक मजबूरी जैसा बनता जा रहा है।

राजनीति में असहमति होना स्वाभाविक है। लोकतंत्र किसी एक विचारधारा या राजनीतिक दल की बपौती नहीं है। लेकिन सवाल यह है कि क्या किसी विचार की गुणवत्ता का निर्धारण उसे रखने वाले व्यक्ति की पार्टी देखकर किया जाना चाहिए?

यदि विपक्ष का कोई नेता शिक्षा व्यवस्था में सुधार की बात करता है तो सत्ता पक्ष को उसका विरोध करने के बजाय यह देखना चाहिए कि सुझाव कितना उपयोगी है। इसी तरह यदि सत्तापक्ष का कोई नेता रोजगार, किसानों या गरीबों के हित में कोई अच्छी पहल करता है तो विपक्ष को केवल राजनीतिक विरोध के कारण उसे खारिज नहीं करना चाहिए।

सही बात को सही और गलत बात को गलत कहने का साहस ही स्वस्थ लोकतांत्रिक राजनीति की पहचान है।

आज राजनीतिक बहसों का बड़ा हिस्सा एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप, बयानबाजी और व्यक्तिगत टिप्पणियों में उलझ जाता है। नतीजा यह होता है कि बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानों की आय, भ्रष्टाचार और स्थानीय विकास जैसे वास्तविक मुद्दे चर्चा के केंद्र से हटने लगते हैं।

जनता राजनीतिक दलों को इसलिए चुनती है कि वे उसकी समस्याओं का समाधान करेंगे। लेकिन जब राजनीति का बड़ा हिस्सा केवल विरोध और बचाव में खर्च होने लगे तो जनता के सवाल पीछे छूट जाते हैं। राजनीतिक दलों को समझना होगा कि चुनाव जीतना लोकतंत्र का एक हिस्सा है, लेकिन जनहित में काम करना उसकी मूल जिम्मेदारी है।

लोकतंत्र में वैचारिक मतभेद होना जरूरी है। लेकिन मतभेद को व्यक्तिगत दुश्मनी में बदल देना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए स्वस्थ संकेत नहीं है। एक नेता दूसरे नेता की नीतियों की आलोचना कर सकता है, उसके फैसलों पर सवाल उठा सकता है और उसके विचारों से असहमति जता सकता है। लेकिन यदि वही विरोधी नेता किसी मुद्दे पर जनहित की अच्छी बात करता है तो उसका समर्थन करने में राजनीतिक संकोच क्यों होना चाहिए?

राजनीति में विचारों का मुकाबला होना चाहिए, व्यक्तियों के प्रति स्थायी नफरत नहीं। देश और प्रदेश की जनता अब राजनीतिक दलों से केवल भाषण नहीं, बल्कि परिणाम भी चाहती है। युवाओं को रोजगार चाहिए, विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा चाहिए, किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य चाहिए और आम नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य एवं बुनियादी सुविधाएं चाहिए।

इन समस्याओं का समाधान किसी एक दल या विचारधारा के पास ही हो, यह जरूरी नहीं। अच्छे सुझाव जहां से भी आएं, उन्हें अपनाने की राजनीतिक परिपक्वता होनी चाहिए। यदि सत्ता पक्ष और विपक्ष किसी जनहित के मुद्दे पर एकमत हो सकते हैं तो इसे किसी की राजनीतिक हार नहीं, बल्कि लोकतंत्र की उपलब्धि माना जाना चाहिए।

आज आवश्यकता ऐसी राजनीतिक संस्कृति विकसित करने की है, जिसमें नेताओं की पहचान उनके बयानों की आक्रामकता से नहीं, बल्कि उनके विचारों की गुणवत्ता और कामकाज से हो। राजनीतिक दलों को अपने कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच भी यह संदेश देना चाहिए कि विरोध का मतलब हर बात को नकारना नहीं होता। लोकतांत्रिक संवाद में तर्क, तथ्य और विवेक का स्थान सबसे ऊपर होना चाहिए।

अंततः सवाल किसी एक राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि हमारी पूरी राजनीतिक संस्कृति का है। जिस दिन राजनीतिक दल विरोधी की अच्छी बात को स्वीकार करने और अपनी गलती मानने का साहस दिखाने लगेंगे, उस दिन लोकतंत्र और अधिक मजबूत होगा। क्योंकि राजनीति का उद्देश्य केवल अपने विरोधी को गलत साबित करना नहीं, बल्कि जनता के जीवन को बेहतर बनाना होना चाहिए।

याद रखिए, लोकतंत्र में सबसे बड़ा नेता वह नहीं होता जिसकी हर बात से उसके समर्थक सहमत हों, बल्कि वह होता है जो सही बात को स्वीकार करने का साहस रखता हो, चाहे वह बात उसके राजनीतिक विरोधी ने ही क्यों न कही हो।

लेखक यूथ इंडिया के सीनियर स्टेट हेड हैं।
प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

वैज्ञानिक तरक्की के बीच अंधविश्वास का अंधेरा

यूथ इंडिया



भारत आज विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। चंद्रमा तक पहुंचने से लेकर डिजिटल क्रांति और आधुनिक शिक्षा के विस्तार तक, देश ने दुनिया के सामने अपनी क्षमता साबित की है। लेकिन इस चमकती तस्वीर का एक दूसरा पहलू भी है, जहां अंधविश्वास, रूढ़िवादी सोच और पाखंड आज भी समाज की जड़ों में मौजूद हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इन कुरीतियों की कीमत कई बार मासूम लोगों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ती है।

बुलंदशहर में तीन साल की बच्ची की कथित तंत्र-मंत्र के नाम पर हत्या का मामला इसी कड़वी सच्चाई को सामने लाता है। यह घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं, बल्कि समाज की उस मानसिकता पर भी सवाल खड़े करती है, जो आज के आधुनिक दौर में भी अंधविश्वास को सच मानती है। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है। अब जरूरी है कि दोष साबित होने पर आरोपी को कानून के अनुसार कठोर सजा मिले।

दरअसल, किसी भी देश की वास्तविक प्रगति केवल ऊंची इमारतों, बड़ी अर्थव्यवस्था और वैज्ञानिक उपलब्धियों से नहीं मापी जा सकती। उसकी असली पहचान वहां के लोगों की सोच, सामाजिक व्यवहार और मानवीय मूल्यों से होती है। यदि एक ओर हम अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयां छूने का सपना देख रहे हैं और दूसरी ओर समाज में अंधविश्वास के कारण मासूमों की सुरक्षा खतरे में पड़ रही है, तो यह विकास की अधूरी तस्वीर है।

यह भी समझना होगा कि अंधविश्वास केवल अशिक्षा की देन नहीं है। कई बार पढ़े-लिखे लोग भी बिना तर्क और प्रमाण के रूढ़िवादी मान्यताओं पर विश्वास करने लगते हैं। इसलिए केवल साक्षरता बढ़ाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि लोगों में सवाल पूछने, तर्क करने और सही-गलत को पहचानने की क्षमता विकसित करना भी जरूरी है। बच्चों को बचपन से ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण और मानवीय संवेदनाओं की शिक्षा दी जानी चाहिए।

सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी भी केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। समाज में फैले अंधविश्वास और पाखंड के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाना, ऐसे मामलों की समय रहते पहचान करना और कानून का प्रभावी पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। धार्मिक आस्था और व्यक्तिगत विश्वास का सम्मान अपनी जगह है, लेकिन किसी भी मान्यता के नाम पर हिंसा और अमानवीय व्यवहार को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना तभी पूरा होगा, जब वैज्ञानिक प्रगति के साथ सामाजिक चेतना का भी विकास होगा। चंद्रमा तक पहुंचना हमारी उपलब्धि है, लेकिन समाज को अंधविश्वास के अंधेरे से बाहर निकालना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। आखिर विकास का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा, जब देश का हर बच्चा सुरक्षित हो और हर नागरिक की सोच तर्क, विवेक तथा इंसानियत पर आधारित हो।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

सर्वाधिकार स्वामी एस.एम.के प्रकाशन प्रा. लि. शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद-209602 के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक- शरद कटियार द्वारा एस.एम.के प्रकाशन प्रा. लि. शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद 209602 उ.प्र. से मुद्रित एवं शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद-209602 उ.प्र. से प्रकाशित। सम्पादक- शरद कटियार दूरभाष - 09452411978 05224613888 Email-youthindiaheadoffice@gmail.com आर.एन.आई. न. UPHIN/2005/17816
समस्त समाचारों का चयन एवं सम्पादन हेतु T-R-V Act के अन्तर्गत उत्तरदायी समस्त विवाद फर्रुखाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यों होती है लिवर में गठान और क्या है इलाज

जब कैंसर लिवर में विकसित होता है, तो यह इसकी कोशिकाओं को नष्ट कर देता है। इसी कारण लिवर सामान्य रूप से कार्य नहीं कर पाता है। लिवर के कैंसर के दो प्रकार होते हैं, जो लिवर की कोशिकाओं में शुरू होता है, उसे प्राथमिक लिवर कैंसर कहते हैं। जबकि जो कहीं और से शुरू होता है और लिवर तक पहुंच जाता है, उन्हें जिगर मेटास्टेसिस या सेकंडरी लिवर कैंसर कहा जाता है। लिवर कैंसर हेपेटाइटिस बी या सी के गंभीर इंफेक्शन के कारण, सिरोसिस, लीवर फैटी होने, अधिक स्मोकिंग या एल्कोहॉल का सेवन या डायबिटीज के कारण होता है। लिवर कैंसर में सर्जरी भी की जाती है और इसमें कैंसर वाले लिवर को हटा दिया जाता है। अगर लिवर में छोटा ट्यूमर है तो इसे काट कर अलग कर दिया जाता है, लेकिन इसमें अधिक खून बहने का खतरा हो सकता है।

लिवर सर्जरी जटिल मानी जाती है क्योंकि दिल से निकलने वाली सभी बड़ी और छोटी धमनियां लिवर के पीछे से निकलती हैं। सर्जरी के दौरान जरा-सी भी असावधानी से लिवर को भारी नुकसान पहुंच सकता है और खून तेजी से निकलना शुरू हो सकता है।

लिवर की गांठ का इलाज

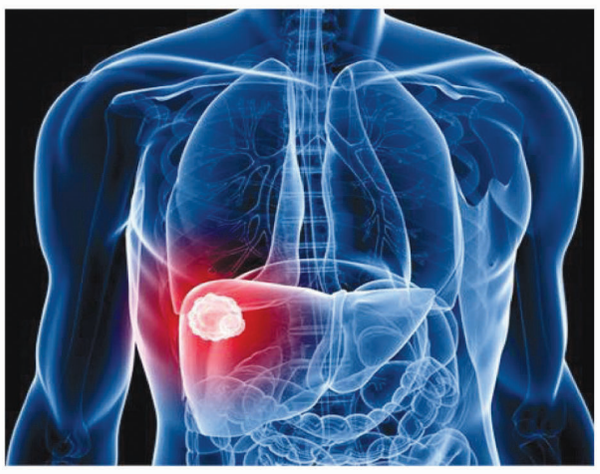

लिवर की गांठ या गठानों को निकालने के लिए सर्जरी बेहतर विकल्प माना जाता है, लेकिन जिन मरीजों को लिवर में कैंसर की गठानों की शुरुआती अवस्था है उन्हें निकालने के लिए सर्जरी विकल्प नहीं है। 70 प्रतिशत लिवर कैंसर के मरीजों के लिए सर्जरी सही विकल्प नहीं है। बढ़ी हुई गठानों को निकालने के लिए सर्जरी और जटिल हो जाती है। गठानों के आसपास की रक्त नलिकाएं भी इसकी चपेट में आ जाती हैं। छोटी गठानें हो तो सर्जरी और भी मुश्किल हो जाती है।

यदि लिवर की गठानों की संख्या ज्यादा नहीं है, आकार भी छोटा हो और कैंसर आसपास के रक्त नलिकाओं तक न फैला हो तो लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी की जा सकती है। हालांकि लिवर ट्रांसप्लांट भी आसान सर्जरी में शामिल नहीं की जाती है। इन परिस्थितियों में माइक्रोवेव एब्लेशन जैसी आधुनिक तकनीक उपलब्ध है। यह न केवल मरीज को राहत देती है बल्कि गठानें निकालने में अनावश्यक चीर-फाड से भी बचा ले जाती है। इसके अलावा रेडियोलॉजिस्ट के पास अन्य आधुनिक सुविधाएं भी मौजूद रहती हैं। इनमें से कोई एक तरीका मरीज के लिए उपयुक्त मानकर इलाज शुरू कर सकता है। कैंसर की गठानों तक पहुंचने के लिए सीटी स्कैनिंग और एमआरआई का सहारा लेते हैं।

डॉ. उमर अफरोज के अनुसार, लिवर कैंसर से बचाव के लिए सबसे जरूरी है नशे से दूर रहना। अपना वजन ठीक रखें। अधिकांश मामलों में मोटापा लिवर कैंसर का कारण बनता है। हेपेटाइटिस बी का टीका लगने से व्यक्ति 90 फीसदी तक सुरक्षित हो जाता है। सुरक्षित यौन संबंध बनाएं। इससे सामान्य लक्षणों जैसे- वजन कम होना, भूख कम लगना, उल्टी होना, पेट की सूजन, मल में सफेदी आना, को पहचाने और समय पर इलाज लें।



घुटनों और कोहनियों पर होने वाली तेज खुजली हो सकती है

जानें इसके कारण, लक्षण और बचाव

पस्टुलर सोरायसिस

पस्टुलर सोरायसिस त्वचा से जुड़ी एक बीमारी है, जो अक्सर 15 से 35 वर्ष की आयु के लोगों को ज्यादा होती है। स्ट्रेस और एक खराब लाइफस्टाइल भी एक कारण है।

पस्टुलर सोरायसिस एक त्वचा की स्थिति है जो लाल, पपड़ीदार त्वचा पैच का कारण बनती है। यह शरीर पर कहीं भी हो सकता है, लेकिन यह अक्सर घुटनों और कोहनी के आसपास पाया जाता है। सोरायसिस किसी को भी किसी भी उम्र में हो सकती है। लेकिन 15 से 35 वर्ष की आयु में लोगों को पस्टुलर सोरायसिस ज्यादा होती है। वहीं 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए यह स्थिति वैसे तो कम है पर जब होती है तो भयानक रूप ले लेती है। इसमें एक बात का ख्याल रखें कि सोरायसिस संक्रामक नहीं है, न ही ये कोई संक्रमण है। ये वास्तव में विभिन्न रूपों में प्रकट हो सकता है। ज्यादातर लोगों को ये छालरोग के रूप में होता है, जो सफेद, गैर-संक्रामक मवाद से भरे छाले (pustules) पैदा करते हैं। आइए जानते हैं इस रोग और इसके लक्षण और इनसे बचने के उपायों के बारे में।

पस्टुलर सोरायसिस क्या है?

पस्टुलर सोरायसिस अन्य प्रकार के छालरोग के संयोजन के साथ हो सकता है, जैसे कि पट्टिका छालरोग यानी कि पस्टुलर सोरायसिस। ये किसी भी विशेष क्षेत्र में हो सकता है जैसे कि हाथ और पैरों में या शरीर के अन्य हिस्सों जैसे जांघ और कमर। लेकिन चेहरे पर ऐसा कम ही देखने को मिलता है। यह आमतौर पर त्वचा के जिस क्षेत्र में होता है, वहां पहले कुछ छोटे-छोटे दाने हो जाते हैं। फिर कुछ ही घंटों के भीतर, नॉनटीनसियस मवाद के बड़े फफोले का भी रूप ले सकते हैं। अंत में ये फफोले भूरे और क्रस्टी बन जाते हैं। उनके छिल जाने के बाद, त्वचा चमकदार या पपड़ीदार दिखाई दे सकती है।

बचाव का तरीका

क्यों होता है पस्टुलर सोरायसिस?

सोरायसिस एक ऑटोइम्यून बीमारी है। ये आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली (इमिन्यून सिस्टम) के कमजोर हो जाने या वाइट ब्लड सेल्स में किसी परेशानी के कारण हो सकती है। वहीं इसके अन्य कारणों में से हैं।

दवाएं, जैसे कि स्टेरॉयड

कुछ ऐसा जो आपकी त्वचा को परेशान करता है, जैसे कि सामयिक क्रीम या कोई खराब मेकअप प्रोडक्ट बहुत अधिक धूप, तनाव, गर्भावस्था, संक्रमण, हार्मोन।

बैक्टीरियल इंफेक्शन दो विशिष्ट जीन में से एक जीन में म्यूटेशनों जो इसे ट्रिगर करता है से एक भड़कना बंद कर सकता है।

पस्टुलर सोरायसिस के प्रकार-

वहीं पुस्टुलर सोरायसिस प्रकार का बात करें तो ये तीन प्रकार के होते हैं, जिसके आधार पर छाले होने की गति तेज या धीमी हो जाती है।

पामोप्लांटार पस्टुलोसिस (पीपीपी)- इसमें शरीर के छोटे क्षेत्रों पर फफोले बन जाते हैं, आमतौर पर हथेलियां या पैरों के तलवे पर। मवाद से भरे ये धब्बे भूरे रंग के हो सकते हैं, छील सकते हैं या ऊपर से पपड़ी हो सकती है।

एकरो सोरायसिस- ये छोटे, बहुत दर्दनाक घाव उंगलियों या पैर की उंगलियों पर पॉप अप होते हैं। दर्द आपकी उंगलियों या पैर की उंगलियों का उपयोग करना कठिन बना सकता है।

सामान्य सोरायसिस- ये लाल और दर्दनाक त्वचा के धब्बे शरीर के एक विस्तृत क्षेत्र पर दिखाई देते हैं और मवाद से भरे छाले के रूप में खत्म हो जाते हैं। जैसे बुखार, ठंड लगना, निर्जलीकरण, मतली, कमजोर मांसपेशियों, सिरदर्द, जोड़ों में दर्द, एक तेज नाड़ी या वजन कम हो सकता है।

त्वचा ही नहीं, मुंह में भी होता है सोरायसिस, जानिए इसके बारे में

पस्टुलर सोरायसिस का इलाज - पस्टुलर सोरायसिस के इलाज की बात करें, तो इसमें पहले तो इसके कारणों को ध्यान में रख कर उन्हें करने से रोकना होगा। जैसे धूम्रपान बंद करें। - घावों के इलाज के लिए सबसे पहले एक स्टेरॉयड क्रीम का इस्तेमाल करें। कोयला टार या सैलिसिलिक एसिड क्रीम त्वचा में मदद कर सकता है। -आप लोशन लगा सकते हैं। -सूती कपड़े पहनें। -पीपीपी और एक्रोपेस्टुलोसिस का प्रकोप जिद्दी हो सकता है, इसलिए इसमें अपने डॉक्टर की मदद लें। - वहीं सूजन वाली त्वचा पर यूवा रेज से बच कर रहें। - इलाज में कुछ दवाइयां शामिल हैं जैसे- कोर्टिकोस्टीराइडस, रेटिनोइड, एंथ्रालीन, विटामिन डी, सेलसिलिक एसिड आदि।

गोरा होने की चाहत न कर दे चेहरा खराब

'आयुर्वेदिक' स्किन क्रीम में मिला स्टेरॉयड

महिलाओं को गोरा बनाने का दावा करने वाली आयुर्वेदिक स्किन क्रीम में खतरनाक स्तर का स्टेरॉइड मिला है। खास बात यह है कि इस क्रीम के पैकेट पर बड़े अक्षरों में सरकारी शोध संस्था सीएसआईआर-नीस्ट की ओर से विकसित किए जाने की बात लिखी है।

कई मरीजों में परेशानी सामने आने के बाद हैदराबाद की त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉक्टर रजिता दामिसेट्टी ने क्रीम को लेकर सीएसआईआर में शिकायत दर्ज कराई है।

डॉ. रजिता ने कहा है कि 'एक कंपनी की ओर से बेची जा रही 'डॉ. गोरी-गोरी' नाम की क्रीम लगाने से लोगों को हुई परेशानी के बाद मैंने इसमें स्टेरॉइड की मौजूदगी की जांच कराई। जांच में क्रीम में 0.056 फीसदी बेथामेथासोन वालेरेट नाम का स्टेरॉइड मिला होने की पुष्टि हुई है।

शिकायत के मुताबिक क्रीम को आयुर्वेदिक बताकर बेचा जा रहा है, जबकि तथाकथित आयुर्वेदिक उत्पाद में इतनी मात्रा में सिंथेटिक स्टेरॉइड की मौजूदगी उसे खतरनाक बना देती है। खासकर तब जब उसे चेहरे जैसी संवेदनशील जगह पर लगाया जाता है। इतना ही नहीं, इसका नाम गोरी-गोरी ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट के अनुसूची जे के नियम 106 का उल्लंघन है। शिकायत में आगे कहा गया है कि स्टेरॉइड एक शेड्यूल एच की दवा है, जिसे बिना वैध पर्चे के नहीं दिया जा सकता। इन बातों को ध्यान में रखते हुए जरूरी कदम उठाए जाएं। डॉ. रजिता ने कहा कि यदि मेरी बात पर यकीन नहीं है तो सीएसआईआर खुद इस क्रीम की जांच करा ले। इस तरह स्टेरॉइड युक्त क्रीम को बेचना अपराध है। इससे सीएसआईआर जैसी संस्था का नाम भी खराब हो रहा है।

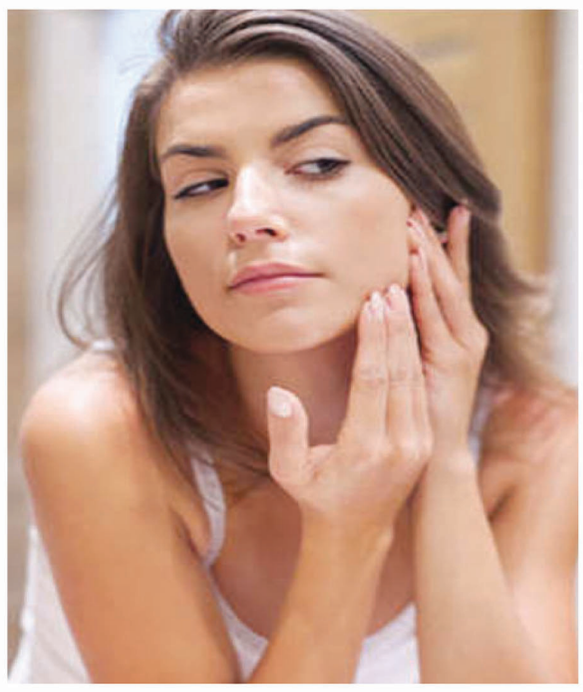

नोट चिकित्सीय मामलों में स्टेरॉइड किसी खास जगह पर इस्तेमाल किया जाता है। इस दौरान पूरी निगरानी रखी जाती है। स्किन क्रीम में इसे डालना खतरनाक है। यही नहीं, आयुर्वेद के नाम पर क्रीम को बेचना तो सरासर धोखाधड़ी है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेंष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। शुभांक-5-6-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-6-7-9

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-8

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपकी योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-3-5-7

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-2-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-7

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्रम बदलने होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-1-2-6

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आय के स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-2-6-8

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-4-9

काकुरो पहेली - 4076

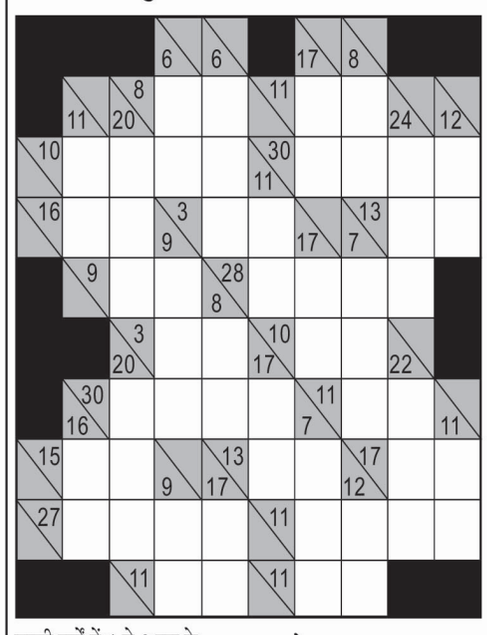

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 4075 का हल

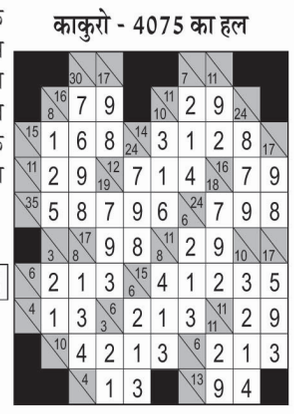

हंसी के फव्वारें

एक व्यक्ति ने कहा, 'आज इंसानियत है कहाँ?'

दूसरा व्यक्ति झट से बोला, 'क्यों आपके घर में 'शब्दकोश' नहीं हैं.

□ □ □

आप चार बार तलाक देने के बाद पाँचवीं बार विवाह करने क्यों जा रहे हैं? पहले व्यक्ति ने पूछा.

'क्यों, क्या पाँचों अंगुलियाँ बराबर होती हैं?' दूसरे व्यक्ति ने कहा.

□ □ □

पत्नी-'आप नींद में बहुत बोलते हैं.'

पति-'तो क्या तुम चाहती हो कि मैं नींद में भी तुम्हारी ही सुनता रहूँ.'

□ □ □

रमेश बहुत शर्मीला था.

एक दिन पार्टी में उसने अपनी प्रेमिका को फूलों का एक गुलदस्ता भेंट किया. प्रेमिका एकदम से भाव-विभोर होते हुए उससे लिपट गई और उसने उसका चुम्बन ले लिया.

रमेश झेंपकर हॉल से बाहर जाने लगा. इस पर उसकी प्रेमिका ने डरते हुए पूछा-''नाखुश हो गए?''

''नहीं.''

रमेश जल्दी से बोला-''नाखुश होने की कोई बात नहीं है. मैं और फूल लेने जा रहा हूं.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 4076

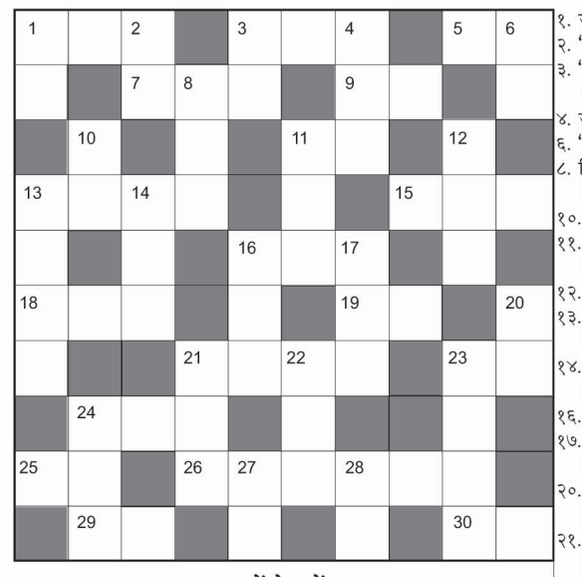

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, हेमा की 'बाली उमरिया भजन करू कैसे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दिल तुझपे फिदा' गीत वाली सैफअली खान, काजोल की फिल्म-३
५. संजयदत्त, शरदकपूर, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली कहां' गीत वाली फिल्म-२
७. 'लकड़ी की काठी' गीत वाली नसीरू दीनशाह, शबाना की फिल्म-३
९. जीतेंद्र, परवीन बाबी की रविकांत निर्देशित एक एक्शन फिल्म-२
११. 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की फिल्म-२
१३. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होठों पें' गीत वाली फिल्म-४
१५. बोनीकपूर की फिल्म 'रूप की रानी चोरों का राजा' की नायिका थी-३
१६. अमिताभ, वहीदा, जीनत, परवीन की 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२१. अनिल कपूर, माधुरी की 'तू अपने दिल पे मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२३. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
२४. फिल्म 'दिलजला' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी-३
२५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
२६. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'जलता है बदन' गीत वाली फिल्म-३,३
२९. फिल्म 'जीवन मृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
३०. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषिकपूर, के साथ नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. जैकीश्रॉफ, रवीना टंडन की फिल्म-२
२. 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'कागज कलम दवात ला' गीत वाली अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत की फिल्म-२
४. जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
६. 'हम तो तेरे आशिक हैं' गीत वाली फिल्म-२
८. मिथुन, आयशा जुल्फा की 'थोड़ा इंतजार का मजा' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ये हसीं वादियां' गीत वाली फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, टीना मुनीम की 'जिंदगी प्यार का गीत है, गीत वाली फिल्म-३
१२. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुमीत सहगल, शिखा स्वरूप की 'पीछे पीछे आजा मेरी' गीत वाली फिल्म-४
१४. 'गर तुम भुला न दोगे' गीत वाली धर्मेन्द्र शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
१६. 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली जीतेंद्र, रणधीर, राकेश रोशन, रेखा की फिल्म-३
२०. देव आनंद, माला सिन्हा की 'कोई सोने के दिलवाला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमारी ही मुट्ठी में' गीत वाली नाना पाटेकर, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
२२. अमिताभ, परवीन, आशापारेख कीफिल्म-३
२३. 'क्या मोहब्बत है' गीत वाली फिल्म-४
२४. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
२७. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली जॉन अब्राहम, बिपाशा बसु की फिल्म-२
२८. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4075

खा	मो	शी		आ	प	की	क	स	म
की		शा	दी		ड़ो		भी		स्त
	आ		वा	प	स		ना		
प	ह	चा	न		न	या	क	द	म
रा			गी	ता			भी		ड
या	रा	ना		ज	मा	ना		स	र
ध		य	ति	म			रा	नी	
न	म	क		ह	म	रा	ज		फ
	र्या			ल		जे			रा
अ	दा	ल	त		इं	द्र	कु	मा	र

सूडोकु - 4076

9	6	2		4	1	7		
1	4	8				6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6				3	8	7
		9	1	8		2	6	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4075 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली - 4076

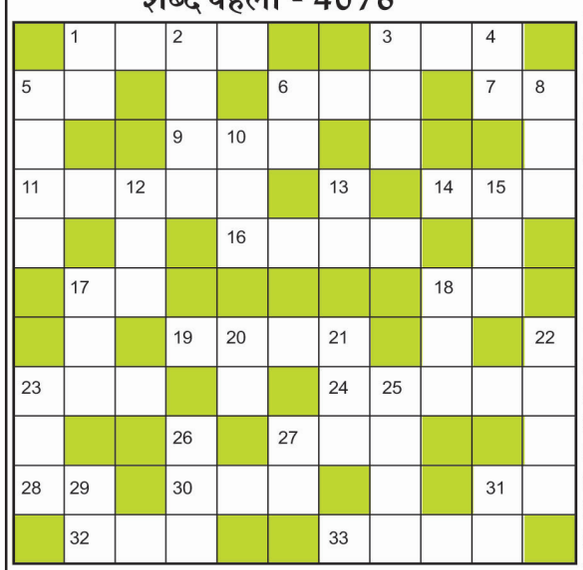

बाएँ से दाएँ

1. मूर्ख,बुद्धिहीन-4
3. रुई की फसल-3
5. वंश,खानदान-2
6. आह,पीड़ा भरी ध्वनि-3
7. जी,इच्छा,चित्त-2
9. पहनना-3
11. दास,नौकर,सेवक-5
14. अग्नि,आग-3
16. चयनित,स्वीकृत-4
17. जाति,संप्रदाय-2
18. उस समय-2
19. आदत,व्यवहार-4
23. माला का मोती-3
24. लालन-पालन-5
27. पूर्णिमा-3
28. वश,अधीन-2
30. खबर देने वाला-3
31. खदान,माइन-2
32. आश्रय,पनाह-3
33. संपत्ति-4

ऊपर से नीचे

1. घोड़े के पांव में लगने वाला लोहे का टुकड़ा-2
2. धारा के बीच में,अधर में-2,2
3. आफत,आपदा-3
4. एक समान-2
5. गृहपति,चांसलर-4
6. दाना-2
8. प्रतिकृति,प्रतिरूप-3
10. रोकर धनराशि-3
12. प्रेम ,आसक्ति-3
13. नीर,जल-2
15. भाग्य,तकदीर-3
17. जंबुल,जांब-3
18. टेंशन,परेशानी-3
20. काया,बदन-2
21. उष्णता-3
22. नाश होने योग्य-4
23. साम्राज्ञी,रानी-3
25. रमण करने योग्य-4
26. अदा,चोंचला-3
27. पूड़ी,गोलगप्पा-2
29. पिता की बहन-2
31. उर्वरक,गाय के गोबर से बना पदार्थ जो खेत में डाला जाता है-2

शब्द पहेली -4075 का हल

	श	म	शा	न		म	ति	मं	द	
क			य		वी		रं			शे
र		प	र	व	र	दि	गा	र		ता
ता	ड़	ना			वा			ज	वा	न
र		ह		प	र	दा		त	री	
	नी		गै	र		म	जा		स	
	र	वि		म	न	न		स		आ
ग	ज	रा			फा			ह	की	म
र		म	ह	सू	स	क	र	ना		द
म			रा		त		खे			नी
	सो	म	ना	थ		य	ल	गा	र	

अद्भुत है भगवान जगन्नाथ मंदिर की महिमा



पुरी का भगवान जगन्नाथ मंदिर अपनी भव्यता और आस्था के लिए विश्व प्रसिद्ध है, लेकिन इससे जुड़े कई रहस्य और परंपराएं भी हैं, जो आपको हैरान कर देंगी। इन्हीं में से एक है इस मंदिर का झंडा जो हवा की दिशा के विपरीत लहराता है। आम तौर पर झंडा हवा के साथ उड़ता है, लेकिन यहां ऐसा नहीं होता। यही बात इस मंदिर को रहस्यमयी और अद्भुत बनाती है.

आज तक कोई पता नहीं लगा पाया है कि मंदिर का झंडा हवा के विपरीत दिशा में क्यों लहराता है। स्थानीय लोग इसे भगवान जगन्नाथ की दैवीय शक्ति का संकेत मानते हैं। कहा जाता है कि मंदिर के ऊपर लहराता झंडा नकारात्मक ऊर्जाओं को खत्म करता है और पूरे वातावरण में सकारात्मकता फैलाता है। इस झंडे को हर दिन बदला जाता है, लेकिन यह काम कोई साधारण नहीं है, बल्कि भगवान के प्रति भक्ति और विश्वास का प्रतीक माना जाता है। हर शाम लगभग सूर्यास्त के समय पुराना झंडा उतारकर नया त्रिकोणीय झंडा लगाया जाता है.

ऐसा भी मान्यता है कि अगर किसी दिन झंडा नहीं बदला गया, तो मंदिर 18 सालों तक बंद हो सकता है। इसलिए चाहे बारिश हो या तूफान, यह परंपरा एक दिन के लिए भी नहीं रुकती। झंडा बदलने का यह कार्य एक विशेष परिवार, जिसे चुनरा सेवक या चोला परिवार कहा जाता है, के हाथों से ही होता है। इस परिवार के लोग लगभग पिछले 800 सालों से यह पवित्र जिम्मेदारी निभा रहे हैं.

सबसे हैरानी की बात यह है कि वे बिना किसी सुरक्षा उपकरण के 214 फुट ऊंचे मंदिर के शिखर पर चढ़ते हैं और वहां झंडा बदलते हैं। कहा जाता है कि आज तक इस परिवार के किसी भी सदस्य को इस काम के दौरान कोई चोट नहीं लगी। यह झंडा केवल एक कपड़ा नहीं, बल्कि आस्था, विश्वास और सुरक्षा का प्रतीक है।

मनी प्लांट में डालें ये 2 खास चीजें, घर में बरसेगी धन की वर्षा

मनी प्लांट को केवल सजावट का पौधा नहीं, बल्कि सौभाग्य और बरकत का प्रतीक माना जाता है। ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में यह मान्यता है कि इस पौधे की सही देखभाल और इसके साथ किए गए कुछ विशेष उपाय आपके रुके हुए धन को वापस ला सकते हैं। रसोई में रखी दो ऐसी सामान्य चीजें हैं, जिन्हें मनी प्लांट की मिट्टी में मिलाने से न केवल पौधे की ग्रोथ तेजी से होती है, बल्कि यह आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर बरकत लाने का काम भी करता है। तो आइए जानते हैं, इन दो शक्तिशाली उपायों के बारे में जो आपके भाग्य को बदल सकते हैं।



दूध

कुछ ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, मनी प्लांट की मिट्टी में दूध मिलाना बहुत शुभ होता है। माना जाता है कि यह उपाय करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में आर्थिक समृद्धि आती है। यह कर्ज से मुक्ति दिलाने में भी सहायक हो सकता है। दूध में कैल्शियम, प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व होते हैं, जो पौधे को स्वस्थ और हरा-भरा बनाए रखने में मदद कर सकते हैं, हालांकि इसे बहुत सीमित मात्रा में और पतला करके ही इस्तेमाल करना चाहिए।

चीनी

मनी प्लांट की मिट्टी में चीनी डालने को भी धन और सौभाग्य से जोड़ा जाता है। माना जाता है कि ऐसा करने से धन की देवी लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है और वित्तीय नुकसान दूर होते हैं। कुछ लोग इसे राहु दोष से मुक्ति पाने के लिए भी उपयोगी मानते हैं। चीनी पौधे के लिए एक तरह से कार्बोहाइड्रेट का स्रोत बन सकती है, जो मिट्टी में सूक्ष्मजीवों की गतिविधि को बढ़ावा दे सकती है।

मनी प्लांट पर लाल धागा बांधें

घर में स्थायी सुख और समृद्धि बनाए रखने के लिए मनी प्लांट की डालियों पर लाल धागा बांधना चाहिए। इससे पौधे की सकारात्मक ऊर्जा और बढ़ जाती है और घर में धन का स्थिर प्रवाह बना रहता है।



वास्तु शास्त्र के अनुसार, सूर्य यंत्र (जिसे सूर्य के देवता का प्रतीक माना जाता है) घर में लगाने के लिए विशेष दिशा और स्थान का चुनाव बहुत महत्वपूर्ण होता है, ताकि इसके प्रभाव से सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो और घर के सदस्य स्वस्थ, खुशहाल और समृद्ध रहें। सूर्य यंत्र को पूर्व दिशा (या उत्तर-पूर्व दिशा) में स्थापित करना सबसे अच्छा होता है। यह दिशा सूर्य के ऊर्जा के अनुरूप होती है और इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

वास्तु के अनुसार घर में लगाएं सूर्य यंत्र

सूर्य यंत्र को किस दिशा में लगाना चाहिए:

पूर्व दिशा:

सूर्य यंत्र को घर में पूर्व दिशा में लगाना सबसे उत्तम माना जाता है। सूर्योदय की दिशा पूर्व होती है और सूर्य यंत्र को इस दिशा में लगाने से घर में उजाला, सकारात्मक ऊर्जा और स्वास्थ्य संबंधी लाभ होते हैं। यदि सूर्य यंत्र को पूर्व दीवार पर स्थापित किया जाए तो इसका प्रभाव अधिक लाभकारी होता है। इससे घर में शांति, समृद्धि और उन्नति का वातावरण बनता है।

उत्तर-पूर्व दिशा:

उत्तर-पूर्व को ईशान कोण भी कहा जाता है, जो घर में ऊर्जा का प्रमुख केंद्र होता है। सूर्य यंत्र को इस दिशा में लगाने से घर में सकारात्मकता बढ़ती है और जीवन में खुशियां आती हैं। यह दिशा धार्मिक और आध्यात्मिक उन्नति के लिए भी अनुकूल मानी जाती है।

दक्षिण दिशा से बचें:

सूर्य यंत्र को दक्षिण दिशा में लगाने से बचना चाहिए। दक्षिण दिशा में सूर्य का प्रभाव अत्यधिक हो सकता है और यह घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकता है, जिससे परिवार में संघर्ष और तनाव बढ़ सकता है।

पश्चिम दिशा:

पश्चिम दिशा में सूर्य यंत्र लगाना भी ठीक नहीं माना जाता क्योंकि यह दिशा सूर्य के प्रभाव का उल्टा असर कर सकती है, जिससे घर में समस्या और उलझनें बढ़ सकती हैं।

सूर्य यंत्र की स्थापना के दौरान कुछ खास बातें:

सूर्य यंत्र को स्वच्छ स्थान पर रखें: यंत्र को किसी स्वच्छ और धूल-मिट्टी से मुक्त स्थान पर लगाना चाहिए, ताकि यह पूर्ण रूप से अपनी ऊर्जा दे सके।

सूर्य यंत्र का नियमित पूजन करें: सूर्य यंत्र को स्थापित करने के बाद नियमित रूप से पूजा करें। इससे सूर्य की कृपा घर पर बनी रहती है।

सूर्य यंत्र के पास दीपक रखें: सूर्य यंत्र के पास घी का दीपक रखना अच्छा होता है क्योंकि यह सूर्य के प्रभाव को और अधिक मजबूत करता है और घर में शांति और समृद्धि लाता है।

सूर्य यंत्र का आकार और रूप: यंत्र का आकार और रूप सही होना चाहिए। उचित और प्रमाणिक सूर्य यंत्र का प्रयोग ही असरदार होता है।



वास्तु दोष से मुक्त सुन्दर व अच्छा घर बनाना या उसमें रहना हर व्यक्ति की इच्छा होती है पर थोड़ा सा भी वास्तु दोष आपको काफी कष्ट दे सकता है लेकिन वास्तु दोष निवारण के महंगे उपायों को अपनाने से पहले विघ्नहर्ता गजानन के आगे मस्तक जरूर टेक लें क्योंकि आपके कई वास्तु दोषों का ईलाज गणपति पूजा से ही हो जाता है।

वास्तुदोष दूर करने करें गणपति पूजा

वास्तु पुरुष की प्रार्थना पर ब्रह्मजी ने वास्तुशास्त्र के नियमों की रचना की थी। यह मानव कल्याण के लिए बनाया गया था, इसलिए इनकी अनदेखी करने पर घर के सदस्यों को शारीरिक, मानसिक, आर्थिक हानि भी उठानी पड़ती है।

अत: वास्तु देवता की संतुष्टि के लिए भगवान गणेश जी को पूजना बेहतर लाभ देगा। इनकी आराधना के बिना वास्तुदेवता को संतुष्ट नहीं किया जा सकता। बिना तोड़-फोड़ अगर वास्तु दोष को दूर करना चाहते हैं तो इन्हें आजमाएं।

गणपति जी का वंदन कर वास्तुदोषों को शांत किए जाने में किसी प्रकार का संदेह नहीं होता है। मान्यता यह है कि नियमित गणेश जी की आराधना से वास्तु दोष उत्पन्न होने की संभावना बहुत कम होती है। इससे घर में खुशहाली आती है और तरक्की होती है।

मुख्य द्वार पर लगाये प्रतिमा

यदि घर के मुख्य द्वार पर एकदंत की प्रतिमा या चित्र लगाया गया हो तो उसके दूसरी तरफ ठीक उसी जगह पर गणेश जी की प्रतिमा इस प्रकार लगाए कि दोनों गणेशजी की पीठ मिली रहे। इस प्रकार से दूसरी प्रतिमा या चित्र लगाने से वास्तु दोषों का शमन होता है। भवन के जिस भाग में वास्तु दोष हो उस स्थान पर घी मिश्रित सिंदूर से स्वास्तिक दीवार पर बनाने से वास्तु दोष का प्रभाव कम होता है।

घर या कार्यस्थल के किसी भी भाग में वक्रतुण्ड की प्रतिमा अथवा चित्र लगाए जा सकते हैं। किंतु प्रतिमा लगाते समय यह ध्यान अवश्य रखना चाहिए कि किसी भी स्थिति में इनका मुंह दक्षिण दिशा या नैर्ऋत्य कोण में नहीं हो। इसका विपरीत प्रभाव होता है।

घर में बैठे हुए गणेश जी तथा कार्यस्थल पर खड़े गणपति जी का चित्र लगाना चाहिए, किंतु यह ध्यान रखें कि खड़े गणेश जी के दोनों पैर जमीन का स्पर्श करते हुए हों। इससे कार्य में स्थिरता आने की संभावना रहती है।

भवन के ब्रह्म स्थान अर्थात् केंद्र में, ईशान कोण एवं पूर्व दिशा में सुखकर्ता की मूर्ति अथवा चित्र लगाना शुभ रहता है। किंतु टॉयलेट अथवा ऐसे स्थान पर गणेशजी का चित्र नहीं लगाना चाहिए जहां लोगों को थूकने आदि से रोकना हो। यह गणेशजी के चित्र का अपमान होगा। सुख, शांति, समृद्धि की चाह रखने वालों के लिए घर में सफेद रंग के विनायक की मूर्ति, चित्र लगाना चाहिए।

सिंदूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल नहीं

सर्व मंगल की कामना करने वालों के लिए सिंदूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल रहती है। इससे शीघ्र फल की प्राप्ति होती है। विघ्नहर्ता की मूर्ति अथवा चित्र में उनके बाएं हाथ की ओर सूंड घुमी हुई हो इस बात का ध्यान रखना चाहिए। दाएं हाथ की ओर घुमी हुई सूंड वाले गणेश जी हठी होते हैं तथा उनकी साधना-आराधना कठिन होती है। शास्त्रों में कहा गाया है कि दाएं सूंड वाले गणपति देर से भक्तों पर प्रसन्न होते हैं।मंगल मूर्ति भगवान को मोदक एवं उनका वाहन मूषक अतिप्रिय है। अत: घर में चित्र लगाते समय ध्यान रखें कि चित्र में मोदक या लड्डू और चूहा अवश्य होना चाहिए। इससे घर में बरकत होती है। इस तरह आप भी बिना तोड़-फोड़ के गणपति पूजन के द्वारा से घर के वास्तुदोष को दूर कर सकते हैं।



पूजा के दौरान धूपबत्ती जलाना शुभ

सनातन धर्म और वास्तु शास्त्र में पूजा के दौरान धूपबत्ती जलाना शुभ माना जाता है जबकि अगरबत्ती नहीं। अगरबत्ती में बांस जलता है जो अशुभ है और स्वास्थ्य को हानि पहुंचाता है। धूपबत्ती ग्रह शांति और सकारात्मक ऊर्जा देती है। आइए जानें हर नियम ताकि पूजा का पूरा फल मिले।

हिंदू शास्त्रों में अगरबत्ती का कोई उल्लेख नहीं है और इसमें बांस जलता है, जो अंतिम संस्कार से जुड़ा है। बांस जलाने से पितृ दोष, वंश वृद्धि में रुकावट और दुर्भाग्य आता है। वैज्ञानिक रूप से बांस का धुआं सांस की बीमारी पैदा करता है। ऐसे में पूजा में अगरबत्ती ना जलाएं।

ज्योतिष में बांस जलाने से पितृ दोष उत्पन्न होता है और पूर्वजों की आत्मा अशांत रहती है। शव यात्रा व कपाल क्रिया में बांस का उपयोग होता है, इसलिए पूजा में इसे जलाना वर्जित है। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और संतान सुख प्रभावित होता है।

धूपबत्ती चंदन, लकड़ी छाल और जड़ी-बूटियों से बनती है, जो ग्रहों को शांत करती है। रोज धूप जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा, वास्तु दोष दूर होता है और देव कृपा मिलती है। धूप की सुगंध मन शांत करती है और पूजा का फल कई गुना बढ़ जाता है।

धूपबत्ती में उपयोगी सामग्री अलग-अलग ग्रहों से जुड़ी होती है। चंदन शुक्र ग्रह को, गूगल राहु ग्रह को और लोबान सूर्य को शांत करता है। धूप जलाने से कुंडली के दोष कम होते हैं और जीवन में स्थिरता आती है। शाम को धूप जरूर जलाएं।

धूपबत्ती का धुआं कीटाणुनाशक है और घर की हवा शुद्ध करता है, जबकि अगरबत्ती का धुआं हानिकारक है।





लैटिन ग्रैमी में छाया दिलजीत और डैडी यांकी का जादू

पंजाबी म्यूजिक का जलवा अब सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनियाभर में इसकी धूम देखने को मिल रही है। ग्लोबल म्यूजिक इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना चुके सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ ने एक बार फिर इंटरनेशनल मंच पर पंजाबी संगीत का परचम लहराया है। इस बार उन्होंने प्यूर्टो रिको के मशहूर रेगेटन स्टार डैडी यांकी के साथ मिलकर ऐसा धमाल मचाया कि हर तरफ उनकी चर्चा होने लगी। दोनों का ग्लोबल क्रॉसओवर ट्रैक 'पोकिटो' लैटिन ग्रैमी 2026 के मंच पर भी छा गया। अब दिलजीत ने इस खास परफॉर्मेंस का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं।

दिलजीत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लैटिन ग्रैमी 2026 में हुई परफॉर्मेंस की एक झलक शेयर की। वीडियो में दिलजीत अपने पंजाबी अंदाज में 'पोकिटो' का हिस्सा गाते नजर आ रहे हैं, वहीं डैडी यांकी अपने स्पेनिश वर्स से समां बांधते दिखाई देते हैं। बाद में दोनों कलाकार एक साथ मंच पर परफॉर्म करते हैं। इस दौरान वहां मौजूद दर्शक भी दोनों की परफॉर्मेंस पर जमकर तालियां बजाते और उत्साह बढ़ाते नजर आए। वीडियो शेयर करते हुए दिलजीत ने लिखा, 'पंजाबी लैटिन ग्रैमी में पहुंच गए हैं! ओए, अब दुनिया के हर मंच पर पंजाबी बोली जाएगी। भगवान हम पर मेहर बनाए रखे। बड़े भाई डैडी यांकी को सलाम। दो संस्कृतियों को एक मंच पर लाने के लिए शुक्रिया। लैटिन ग्रैमी का भी शुक्रिया, जिन्होंने हमें यहां मौका दिया।' फैंस को खूब पसंद आया दोनों का अंदाज दिलजीत और डैडी यांकी की इस परफॉर्मेंस का वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस के कमेंट्स की बाढ़ आ गई। कोई इसे शानदार म्यूजिक फ्यूजन बता रहा है, तो किसी को दोनों का साथ आना साल का सबसे बेहतरीन क्रॉसओवर लग रहा है। एक यूजर ने लिखा, 'यह तो कमाल है।' वहीं दूसरे ने गाने की तारीफ करते हुए कहा, 'क्या गाना है, बहुत पसंद आया।' एक फैन ने लिखा, 'कितने शानदार रिदम का मेल है। मुझे पंजाबी म्यूजिक और प्यूर्टो रिकन्स दोनों पसंद हैं।' वहीं एक यूजर ने दोनों की जोड़ी को 'यांकी जट्ट' नाम दिया। एक अन्य फैन ने इसे साल का बेस्ट क्रॉसओवर बताया।



डैडी यांकी ने दिलजीत के साथ काम करने पर कही ये बात

लैटिन ग्रैमी के रेड कार्पेट पर मीडिया से बातचीत के दौरान डैडी यांकी ने दिलजीत के साथ अपने इस कोलैबोरेशन को खास बताया। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं दिलजीत का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। उन्होंने शानदार काम किया है। मुझे लगता है कि पंजाबी और रेगेटन संगीत एक-दूसरे के कजिन की तरह हैं। मुझे हमेशा से ऐसा महसूस होता रहा है। यह कोलैबोरेशन शानदार रहा। इस गाने को सपोर्ट करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया। जब अलग-अलग संस्कृतियां मिलती हैं, तो संगीत का असली मतलब समझ आता है।'

क्या है 'पोकिटो' की खासियत

'पोकिटो' एक पंजाबी-स्पेनिश गाना है, जसमें दो अलग-अलग संगीत शैलियों का खूबसूरत मेल देखने को मिलता है। इसमें दिलजीत की पंजाबी आवाज और भांगड़ा का तड़का है, तो वहीं डैडी यांकी का सिग्नेचर रेगेटन अंदाज भी सुनने को मिलता है। गाने में बार-बार आने वाला स्पेनिश वाक्यांश 'पोकिटो आ पोकिटो' का मतलब 'थोड़ा-थोड़ा करके' होता है। इस गाने के म्यूजिक वीडियो को स्टिल्ज ने डायरेक्ट किया है। वीडियो में पंजाबी परंपराओं और लैटिन अर्बन कल्चर की झलक को रंगीन अंदाज में दिखाया गया है। यह गाना डैडी यांकी के 15 ट्रैक वाले एल्बम 'ला पोस्टल' का हिस्सा है। 30 अक्टूबर को रिलीज हुए इस गाने के जरिए दोनों कलाकारों ने संगीत के माध्यम से दो अलग-अलग संस्कृतियों को एक साथ लाने की कोशिश की है।



डिजिटल एंटरटेनमेंट में कदम रखने जा रहे हैं आमिर खान और फरहान अख्तर

फिल्मों की दुनिया में अपनी अलग पहचान रखने वाले आमिर खान और फरहान अख्तर अब डिजिटल एंटरटेनमेंट में भी नया कदम उठाने जा रहे हैं. आमिर खान प्रोडक्शंस और एक्सेल एंटरटेनमेंट ने मिलकर एक माइक्रोड्रामा प्लेटफॉर्म शुरू करने की तैयारी की है. इस पर दर्शकों को कम समय में पूरी होने वाली कहानियां देखने को मिलेंगी.



इस प्लेटफॉर्म पर सिर्फ नई कहानियां ही नहीं दिखाई जाएंगी, बल्कि दोनों प्रोडक्शन हाउस के पास पहले से मौजूद कहानियों और फिल्मों से जुड़े कंटेंट का भी इस्तेमाल किया जाएगा. इसके साथ ही कुछ कहानियां खास तौर पर इस प्लेटफॉर्म के लिए तैयार की जाएंगी. यानी दर्शकों को पुराने कंटेंट के साथ कुछ नया देखने का मौका भी मिलेगा. इस वेंचर में कई जाने-माने डिजिटल और यूट्यूब क्रिएटर्स को जोड़ने की तैयारी है. इनके साथ खास समझौते किए जाएंगे, ताकि वे अपने कंटेंट और दर्शकों के साथ इस नए प्लेटफॉर्म का हिस्सा बन सकें. इससे डिजिटल दुनिया में पहले से लोकप्रिय चेहरों को भी नई कहानियों के जरिए दर्शकों तक पहुंचने का मौका मिलेगा. इस प्लेटफॉर्म को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए एक बड़ी टेलीकॉम कंपनी को भी साथ जोड़ा गया है. इसका मकसद है कि मोबाइल पर वीडियो देखने वाले ज्यादा से ज्यादा दर्शक इस कंटेंट तक आसानी से पहुंच सकें. हालांकि, अभी इस कंपनी का नाम सामने नहीं आया है.

क्या होता है माइक्रोड्रामा

माइक्रोड्रामा ऐसे छोटे वीडियो एपिसोड होते हैं, जिनमें कहानी बहुत कम समय में आगे बढ़ती है. आमतौर पर हर एपिसोड में कोई नया मोड़ या दिलचस्प बात देखने को मिलती है, जिससे दर्शक अगला हिस्सा देखने के लिए उत्सुक रहते हैं. इसे खास तौर पर मोबाइल पर देखने के हिसाब से बनाया जाता है.



जयदीप अहलावत, अभिषेक बनर्जी और बरुण सोबती की तिकड़ी मचाएगी धमाल

अभिनेता अभिषेक बनर्जी, जयदीप अहलावत और बरुण सोबती जल्द ही अपनी नई सीरीज 'पुष्पक विमान' में एक साथ नजर आएंगे। सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी द्वारा बनाई और लिखी गई यह सीरीज क्राइम और कॉमेडी का मजेदार मेल लेकर आ रही है। तीनों कलाकारों को एक साथ देखना दर्शकों के लिए दिलचस्प होने वाला है। सुदीप शर्मा अब तक अपनी गंभीर और इंटेंस कहानियों के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस बार वह 'पुष्पक विमान' के जरिए कॉमेडी के जॉनर में कुछ नया करने जा रहे हैं। यह सीरीज कुछ अनोखे किरदारों की कहानी है, जिनकी जिंदगी में होने वाली घटनाएं धीरे-धीरे एक अलग ही मोड़ ले लेती हैं। इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए सुदीप शर्मा ने बताया कि वह इस बार कुछ अलग करना चाहते थे। उनके मुताबिक, इस तरह की कहानी और नए जॉनर के साथ प्रयोग करने के लिए नेटफ्लिक्स एक अच्छा प्लेटफॉर्म है। नेटफ्लिक्स इंडिया की सीरीज हेड तान्या बामी ने भी इस सीरीज को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि 'पुष्पक विमान' सुदीप शर्मा के साथ नेटफ्लिक्स की अगली फ्रेंचाइजी होगी।

रजनीकांत सर के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा

अभिनेत्री अपेक्षा पोरवाल इन दिनों रजनीकांत स्टारर फिल्म 'जेलर 2' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में फिल्म में सुपरस्टार के साथ काम करने के अनुभव, एक्शन से भरपूर रोल की तैयारी के बारे में बात की। अभिनेता ने सुपरस्टार रजनीकांत के साथ काम करने के अनुभव को स्पेशल पल बताया। उन्होंने कहा, 'रजनीकांत भारत के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करना और काम करने का मौका मिलना मेरे लिए सच में किसी सपने के सच होने जैसा है।' उन्होंने आगे कहा, 'जेलर 2' में काम करना कमाल का अनुभव था। आप किसी भी कलाकार का नाम लें, वे सभी जमीनी स्तर से जुड़े हैं। फिर, चाहे वो मिथुन सर हों, रजनीकांत सर, विद्या मैम या राम्या कृष्णन मैम, सभी बहुत ही उम्दा कलाकार हैं और वे हमेशा इस बात का ध्यान रखते हैं कि उनका सह-कलाकार कंफर्टेबल फील करे। मुझे लगता है कि जो लोग बड़े और स्थापित होते हैं, वो असल जिंदगी में उतने ही सरल और दयालु होते हैं। उनके साथ काम करना सच में बहुत अच्छा लगता है।' फिल्म में अभिनेत्री का छोटा, लेकिन एक्शन से भरपूर किरदार है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अपेक्षा पोरवाल ने कहा, 'फिल्म में मेरा किरदार एक तरह से घातक महिला का है, जो मिथुन सर के किरदार वाले विलेन के परिवार को फंसाती है और रजनीकांत सर के परिवार को बचाती है, तो वह एक असैसिन है। मुझे मार्शल आर्ट्स की थोड़ी बेसिक ट्रेनिंग भी है, जिसमें कटाना (जापान की एक पारंपरिक, हल्की घुमावदार और एक धार वाली लंबी तलवार) और नंचक्स शामिल हैं। इस फिल्म में मैं कटाना और गन का इस्तेमाल करती हूं। अभिनेत्री ने बताया कि इस फिल्म में परफॉर्मेंस से पहले उन्होंने तीन दिन तक इंटेंस एक्शन ट्रेनिंग की थी। उन्होंने कहा, 'हमने पूरी एक्शन कोरियोग्राफी सीखी। इसके अलावा, मैंने अपनी जनरल फिटनेस पर भी ध्यान दिया। मैं आमतौर पर हफ्ते में कम से कम पांच दिन जिम जाती हूं। चेन्नई शेड्यूल के दौरान मेरा रूटीन काफी बिजी था। मैं शूट के बाद जिम जाती थी, फिर कार्डियो के लिए स्विमिंग और फिर स्टीम सेशन।





'ओमः चैप्टर 1...' में साई पल्लवी ने मम्मूट्टी के साथ काम करने का अनुभव साझा किए

'ओमः चैप्टर 1 – उधिरमः द ब्लड वुड' के ग्रैंड ऑडियो लॉन्च, जहां हजारों की तादाद में पहुंचे फैंस ने इस शाम को किसी बड़े फिल्मी जश्न में बदल दिया। धनुष, मम्मूट्टी, साई पल्लवी, श्रीलीला, निर्देशक राजकुमार पेरियासामी, निर्माता श्रद्धा अग्रवाल और म्यूजिक कंपोजर साई अभ्यंकर की मौजूदगी ने इस महफिल में चार चांद लगा दिए। फिल्म के इस खास जश्न में निर्माता श्रद्धा अग्रवाल ने कहा, 'आरटेक बैनर के तहत हमने जितनी भी फिल्में बनाई हैं, उन सभी का चेन्नई से एक खास रिश्ता रहा है। लेकिन 'ओम' के साथ हम इस रिश्ते को और भी बड़े स्तर पर लेकर जा रहे हैं। यह निस्संदेह हमारी अब तक की सबसे बड़ी फिल्म है। धनुष सर जैसे इंसान के साथ यह सफर बेहद खूबसूरत रहा है। वहीं राजकुमार सर की फिल्म के प्रति मेहनत, लगन और समर्पण शानदार रहा है। 'ओम' को लेकर दर्शकों ने अब तक जो प्यार और उत्साह दिखाया है, वह हमारे लिए बहुत मायने रखता है। उम्मीद है कि 20 नवंबर को फिल्म सिनेमाघरों में पहुंचने के बाद यह प्यार और भी बढ़ेगा।' वहीं साई पल्लवी ने अपने खास अंदाज में मम्मूट्टी के साथ काम करने का अनुभव साझा करते हुए कहा, 'पिछली फिल्म में मैं मम्मूट्टी-मम्मूट्टी कहती रहती थी और अब मम्मूट्टी सर के साथ काम कर रही हूं। पता नहीं, मैंने ही इसे मैनिफेस्ट कर लिया था!' मम्मूट्टी के साथ काम करने के अनुभव पर साई बोलीं, 'वह 70 साल से ज्यादा उम्र के हैं, लेकिन मैंने सेट पर उनसे ज्यादा एनर्जेटिक एक्टर नहीं देखा। वह बिल्कुल बच्चे जैसे हैं। कैमरा रोल होने से पहले ही वह ऐसे प्यारे-प्यारे एक्सप्रेशंस देते रहते थे। उनके साथ काम करना मेरे लिए बेहद खुशी की बात रही।' निर्माता श्रद्धा अग्रवाल ने फिल्म और चेन्नई के साथ अपने खास जुड़ाव पर कहा, 'आरटेक बैनर के तहत हमने जितनी भी फिल्में बनाई हैं, उन सभी का चेन्नई से एक खास रिश्ता रहा है। लेकिन 'ओम' के साथ हम इस रिश्ते को और भी बड़े स्तर पर लेकर जा रहे हैं। यह निस्संदेह हमारी अब तक की सबसे बड़ी फिल्म है।



चित्रांगदा सिंह ने की सलमान खान की जमकर तारीफ



अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह आगामी वॉर-ड्रामा फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' में अभिनेता सलमान के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। अभिनेत्री ने सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर करने के अनुभव को याद करते हुए बताया कि अभिनेता की दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और आत्मविश्वास ने शुरुआत में उन्हें थोड़ा नर्वस कर दिया था। अभिनेत्री ने बातचीत में सलमान खान की जमकर तारीफ की। चित्रांगदा का कहना है कि सलमान खान में दूसरों से बेस्ट निकलवाने की काबिलियत है और इसी वजह से उनके साथ स्क्रीन शेयर करना मजेदार हो गया। उन्होंने कहा, 'सलमान खान के साथ काम करना वाकई शानदार और यादगार अनुभव रहा। उनकी प्रेजेंस बेहद दमदार है। कैमरे के सामने उनमें ऐसी सहजता और आत्मविश्वास रहता है कि शुरुआत में, तो मैं भी थोड़ा नर्वस हो गई थी, लेकिन उनके काम करने के तरीके में एक शानदार सहजता भी है, जो उनके साथ फ्रेम शेयर करना इतना मजेदार बना देती है और हर सीन में एक नेचुरल एनर्जी ले आती है।' चित्रांगदा सिंह ने 'मातृभूमि' के गानों में सलमान के साथ अपनी केमिस्ट्री को मिल रहे रिस्पॉन्स को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, 'जब से 'मातृभूमि' के गाने आए हैं, तब से हमारी केमिस्ट्री को बहुत प्यार मिल रहा है और मैं इस रिस्पॉन्स को देखकर वाकई बेहद खुश हूं। जब दो एक्टर स्क्रीन पर एक खास कम्फर्ट और समझ शेयर करते हैं, तो दर्शक उसे महसूस कर पाते हैं और मुझे खुशी है कि हमारी जोड़ी दर्शकों को पसंद आ रही है।



नहर में गिरी बारातियों से भरी अर्टिगा, दूल्हे के मौसा की मौत, चार घायल

यूथ इंडिया, कंपिल





कंपिल थाना क्षेत्र में बुधवार तड़के बारात से लौट रही अर्टिगा कार अनियंत्रित होकर करीब 20 फीट गहरी नहर में पलट गई। हादसे में कार सवार दूल्हे के मौसा आलोक उर्फ अशोक की मौत हो गई, जबकि चार अन्य बाराती गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे घायलों को बाहर निकलवाया।

जानकारी के अनुसार, कंपिल नगर के मोहल्ला मांझगांव निवासी अमरनाथ माथुर की बेटी कविता की शादी एसआई पब्लिक गेस्ट हाउस में आयोजित थी। मंगलवार रात दिल्ली के मुकुंदपुर स्थित फौजी कॉलोनी निवासी जयशरण के बेटे प्रवीण की बारात आई थी। शादी की रस्में पूरी होने के बाद दिल्ली के स्वरूप नगर निवासी आलोक उर्फ अशोक अपने साथियों संजीव, रामकिशन, वीरेंद्र और भारत के साथ अर्टिगा कार से कंपिल से रुदायन की ओर जा रहे थे।

बताया गया कि बुधवार तड़के करीब तीन बजे मानिकपुर गांव के पास कार अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे नहर में पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार में सवार सभी पांच लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और बचाव कार्य में मदद की।

पुलिस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने आलोक उर्फ अशोक को मृत घोषित कर दिया। वहीं, संजीव, रामकिशन, वीरेंद्र और भारत की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें लोहिया अस्पताल फर्रुखाबाद रेफर कर दिया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

हल्का इंचार्ज जितेंद्र सिंह ने बताया कि हादसे में एक व्यक्ति की मौत हुई है, जबकि चार लोग घायल हुए हैं। थाना प्रभारी नितिन कुमार के अनुसार, मृतक दूल्हे के मौसा थे। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे की खबर मिलते ही शादी वाले परिवार में मातम छा गया और खुशियां गम में बदल गईं।

कमालगंज पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बेटे पंकज सिंह, भाजपा पदाधिकारियों के साथ की संगठनात्मक बैठक

यूथ इंडिया, नवाबगंज



फर्रुखाबाद जिले के कमालगंज में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में नोएडा के विधायक एवं केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बेटे पंकज सिंह शामिल हुए। उन्होंने पार्टी के पूर्व और वर्तमान पदाधिकारियों के साथ अलग-अलग बैठक कर संगठन की मजबूती और आगामी गतिविधियों को लेकर चर्चा की।

कमालगंज स्थित एक गेस्ट हाउस में आयोजित इस बैठक में भाजपा के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। जानकारी के अनुसार, बैठक में कुल 21 लोगों ने भाग लिया। पंकज सिंह ने पूर्व पदाधिकारियों और वर्तमान पदाधिकारियों से अलग-अलग मुलाकात की तथा संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर उनकी राय जानी।

बैठक के दौरान पार्टी की संगठनात्मक स्थिति, कार्यकर्ताओं की भूमिका और क्षेत्र में संगठन को अधिक मजबूत बनाने जैसे विषयों पर चर्चा की गई। पंकज सिंह ने पदाधिकारियों से संगठन के कार्यों को सक्रियता के साथ आगे बढ़ाने और आपसी समन्वय बनाए रखने पर बातचीत की।

इस दौरान पार्टी के पुराने और वर्तमान कार्यकर्ताओं के अनुभवों को भी महत्व दिया गया। पूर्व पदाधिकारियों के साथ हुई बैठक में संगठन के पुराने कार्यों और अनुभवों पर चर्चा की गई, जबकि वर्तमान पदाधिकारियों के साथ संगठन की मौजूदा गतिविधियों और मजबूती को लेकर विचार-विमर्श हुआ।

बैठक में शामिल भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने संगठन से संबंधित विषयों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम को पार्टी के स्थानीय संगठनात्मक स्तर पर महत्वपूर्ण बैठक के रूप में देखा जा रहा है।

चाचा-भतीजे के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप

फर्रुखाबाद। जिले के नवाबगंज थाना क्षेत्र के ग्राम कुतुबद्दीनपुर में चाचा और भतीजे के साथ गाली-गलौज व मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने सोनू समेत तीन लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम कुतुबद्दीनपुर निवासी निहाल सिंह पुत्र जंडैल सिंह ने थाना नवाबगंज पुलिस को तहरीर दी। उन्होंने आरोप लगाया कि गांव के ही सोनू पुत्र हमीर सिंह और उसके साथ मौजूद दो अन्य लोगों ने उनके तथा उनके भतीजे के साथ गाली-गलौज की। विरोध करने पर आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के संबंध में पीड़ित ने पुलिस से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। निहाल सिंह की तहरीर के आधार पर थाना नवाबगंज पुलिस ने सोनू समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

बाजार में आवारा कुत्ते का हमला, खरीदारी करने आए युवक को कमर में काटकर किया घायल

नवाबगंज। कस्बे के मुख्य बाजार में आवारा कुत्तों का आतंक देखने को मिला। मंगलवार को घरेलू सामान की खरीदारी करने आए एक युवक पर अचानक आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया। कुत्ते ने युवक की कमर में काट लिया, जिससे उसकी कमर पर गहरा घाव हो गया। घटना के बाद बाजार में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, नवाबगंज ब्लॉक के ज्योना ज्योनी गांव निवासी प्रवेश कुमार मंगलवार को घरेलू जरूरतों का सामान खरीदने के लिए नवाबगंज के मुख्य बाजार आए थे। वह बाजार में खरीदारी कर रहे थे, तभी अचानक एक आवारा कुत्ता उनके पास पहुंच गया और उन पर हमला कर दिया। इससे पहले कि युवक कुछ समझ पाते, कुत्ते ने उनकी कमर में काट लिया। कुत्ते के काटने से उनकी कमर पर गहरा घाव हो गया और वह घायल हो गए। घटना के बाद युवक ने उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का रुख किया। यहां स्वास्थ्य कर्मियों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सकीय टीम ने सबसे पहले घाव की सफाई की और उसके बाद पट्टी की। साथ ही संक्रमण और रेबीज से बचाव के लिए युवक को एंटी रेबीज का इंजेक्शन भी लगाया गया। बाजार में खरीदारी के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण और कस्बे के लोग पहुंचते हैं। ऐसे में आवारा कुत्तों की मौजूदगी लोगों के लिए परेशानी का कारण बन सकती है। खासकर बाजार में आने-जाने वाले लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

लोहिया अस्पताल में डॉक्टरों की कमी से मरीज बेहाल

- तीन विशेषज्ञ ओपीडी से नदारद

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



लोहिया अस्पताल में डॉक्टरों की कमी के चलते मरीजों को इलाज के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को अस्पताल की ओपीडी में तीन विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध नहीं रहे। हड्डी और ईएनटी विभाग के डॉक्टर मेडिकल बोर्ड की ड्यूटी में गए थे, जबकि फिजिशियन चिकित्सा अवकाश पर थे। ऐसे में दूरदराज से इलाज कराने पहुंचे मरीजों को बिना संबंधित विशेषज्ञ को दिखाए ही लौटना पड़ा।

अस्पताल में बुधवार सुबह ओपीडी शुरू होने के बाद मरीजों ने पर्चे बनवाए और संबंधित डॉक्टरों के कक्ष के बाहर पहुंच गए। वहां लगे सूचना बोर्ड पर डॉक्टरों की अनुपस्थिति की जानकारी मिलने पर मरीजों को निराशा हुई। हड्डी और ईएनटी विभाग के डॉक्टर मेडिकल बोर्ड में गए थे, जबकि फिजिशियन के अवकाश पर होने की सूचना चस्पा थी।

लोहिया अस्पताल में फर्रुखाबाद के अलावा आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में मरीज उपचार कराने आते हैं। ऐसे में विशेषज्ञ डॉक्टरों की अनुपस्थिति से मरीजों की परेशानी और बढ़ गई। हड्डी रोग विशेषज्ञ को दिखाने पहुंचे मरीजों को दूसरे डॉक्टर से परामर्श लेने की सलाह दी गई।

फतेहगढ़ निवासी राकेश अपने बेटे का इलाज कराने अस्पताल पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि मंगलवार को भी अस्पताल आए थे, लेकिन तब तक अस्पताल बंद हो चुका था। बुधवार सुबह दोबारा पहुंचे तो पता चला कि डॉक्टर मेडिकल बोर्ड की ड्यूटी में गए हैं। वहीं अचरा निवासी रमेश खांसी, जुकाम और बुखार का उपचार कराने पहुंचे थे, लेकिन फिजिशियन के अवकाश पर होने के कारण उन्हें दूसरे डॉक्टर को दिखाने के लिए कहा गया।

अस्पताल में पहले से ही डॉक्टरों की कमी बनी हुई है। ऐसे में विशेषज्ञों के ओपीडी में उपलब्ध नहीं रहने से मरीजों को इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। सीएमएस डॉ. जगमोहन शर्मा ने बताया कि दो डॉक्टर मेडिकल बोर्ड में गए थे, जिसके चलते मरीजों को परेशानी हुई।

कार का शीशा तोड़कर ग्राम विकास अधिकारी का बैग चोरी, 50 हजार लेकर फरार हुआ चोर

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद

शहर में चोरों के हौसले बुलंद हैं। अब चोर खड़ी कारों को भी निशाना बनाने से पीछे नहीं हट रहे हैं। भोलेपुर रेलवे लाइन के किनारे खड़ी एक कार का शीशा तोड़कर चोर उसमें रखा बैग चोरी कर ले गए। बैग में 50 हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन और अन्य सामान रखा हुआ था। बाद में बैग बस अड्डे के सामने बीएस गार्डन के पास पड़ा मिला, लेकिन उसमें रखी नकदी गायब थी। पीड़िता की शिकायत पर फतेहगढ़ कोतवाली पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार शहर के छक्का नाजिर कूंचा निवासी श्वेता पुत्री अशोक कुमार विकासखंड कमालगंज में ग्राम विकास अधिकारी के पद पर तैनात हैं। उन्होंने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि 22 नवंबर 2026 की शाम करीब पांच बजे वह अपनी ऑल्टो के-10 कार संख्या यूपी 76 एसी 2533 से भोलेपुर रेलवे लाइन के किनारे पहुंची थीं। वहां कार खड़ी करने के बाद वह अपनी सहेली से मिलने चली गईं। इस दौरान उनका बैग कार की पिछली सीट पर रखा हुआ था। करीब आधे घंटे बाद जब वह वापस लौटीं तो कार की बाईं ओर का पिछला शीशा टूटा हुआ मिला। कार के अंदर रखा उनका बैग गायब था। बैग में 500-500 रुपये के नोटों की 100 गड्डियां नहीं, बल्कि कुल 50 हजार रुपये नकद, एक मोबाइल फोन और अन्य जरूरी सामान रखा हुआ था। घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने तत्काल 112 नंबर पर फोन कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। इसके बाद कर्नलगंज चौकी पर भी घटना की जानकारी दी गई।

पीड़िता के अनुसार तलाश के दौरान उनका बैग फर्रुखाबाद बस अड्डे के सामने बीएस गार्डन के पास पड़ा मिला। बस अड्डा पुलिस चौकी की मदद से बैग उन्हें उपलब्ध करा दिया गया, लेकिन उसमें रखे 50 हजार रुपये गायब थे। बैग में मोबाइल सहित अन्य सामान मिल गया, जबकि नकदी का कोई पता नहीं चला। इसके बाद पीड़िता ने 23 नवंबर को फतेहगढ़ कोतवाली में तहरीर देकर चोरी गए 50 हजार रुपये बरामद कराने और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की।

ढाईघाट मेले के पशु बाजार में 8 लाख की भैंस बनी आकर्षण

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



शमसाबाद क्षेत्र के ढाईघाट गंगा तट पर कार्तिक मेले के दूसरे दिन पशु बाजार में खरीदारों और व्यापारियों की खूब चहल-पहल रही। मेले में हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से व्यापारी अच्छी नस्ल की भैंस और पड़िया लेकर पहुंचे हैं। पशु बाजार में आठ लाख रुपये तक की कीमत वाली भैंस चर्चा का विषय बनी हुई है।

पशु बाजार में मेरठ, गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, आगरा, मथुरा, लखीमपुर खीरी, पीलीभीत और संभल समेत कई जिलों से व्यापारी पहुंचे हैं। इसके अलावा हरियाणा, राजस्थान और मध्य प्रदेश के पशु व्यापारी भी अपनी भैंसों के साथ बाजार में मौजूद हैं। सुबह से ही पशुओं की खरीद-फरोख्त का सिलसिला शुरू हो जाता है। व्यापारी अपनी भैंसों को आकर्षक ढंग से सजाकर बाजार में ला रहे हैं।

इस बार बाजार में सबसे महंगी भैंस की कीमत आठ लाख रुपये बताई जा रही है। इसके अलावा पांच लाख रुपये तक की भैंसें भी बाजार में मौजूद हैं। करीब 17 भैंसों की कीमत चार-चार लाख रुपये रखी गई है, जबकि सैकड़ों भैंसें तीन लाख रुपये तक की कीमत वाली हैं। बाजार में मुर्रा नस्ल की भैंसों की सबसे अधिक मांग दिखाई दे रही है।

खरीदार पशुओं की नस्ल, उम्र और दूध देने की क्षमता पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। खरीदारी से पहले भैंसों के दांत, सींग, थन और शारीरिक बनावट की जांच की जा रही है। अधिक दूध देने वाली और अच्छी नस्ल की भैंसों के लिए खरीदार ऊंची कीमत चुकाने को भी तैयार हैं। मेले में दूर-दराज से आए पशुपालकों और व्यापारियों के बीच मोलभाव का दौर भी जारी है।

पशु बाजार में पशु चिकित्सकों की टीम तैनात की गई है, जो पशुओं के स्वास्थ्य की जांच कर रही है। वहीं, पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था के लिए जगह-जगह पुलिस बल तैनात किया गया है। मेला प्रशासन ने व्यापारियों के ठहरने, पेयजल और पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था की है। दूसरे दिन भी पशु बाजार में बढ़ती रौनक से व्यापारियों को अच्छे कारोबार की उम्मीद है।

अपर पुलिस अधीक्षक गिरीश कुमार का तबादला, पुष्कर वर्मा संभालेंगे फतेहगढ़ की कमान

- पुलिस महकमे में बदलाव से प्रशासनिक हलचल

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

जनपद के पुलिस महकमे में प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक गिरीश कुमार का तबादला कर दिया गया है। उनके स्थान पर पुष्कर वर्मा को फतेहगढ़ का नया अपर पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। इस बदलाव के बाद जिले की पुलिस प्रशासनिक व्यवस्था में नए अधिकारी की तैनाती को लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

गिरीश कुमार अब तक जनपद में अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर अपनी जिम्मेदारी निभा रहे थे। उनके स्थान पर पुष्कर वर्मा को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। नए अपर पुलिस अधीक्षक के सामने जिले की कानून व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने, अपराध नियंत्रण, पुलिसिंग में पारदर्शिता और आम जनता की शिकायतों के त्वरित निस्तारण जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां रहेंगी।

फर्रुखाबाद जनपद में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण चुनौती है। थानों में आने वाली शिकायतों का समय से निस्तारण, लंबित विवेचनाओं को पूरा कराना, अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई और संवेदनशील मामलों में त्वरित पुलिस प्रतिक्रिया नए अपर पुलिस अधीक्षक की प्राथमिकताओं में शामिल रह सकती हैं।

इसके साथ ही महिलाओं की सुरक्षा, साइबर अपराध, यातायात व्यवस्था और पुलिसकर्मियों की कार्यप्रणाली पर निगरानी भी महत्वपूर्ण होगी।

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव को देखते हुए पुलिस प्रशासन की जिम्मेदारियां भी बढ़ रही हैं। चुनाव से पहले कानून व्यवस्था बनाए रखना, संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी, शांति व्यवस्था सुनिश्चित करना और निष्पक्ष चुनावी माहौल तैयार करना पुलिस विभाग के लिए महत्वपूर्ण रहेगा।

पुष्कर वर्मा की तैनाती के साथ अब पुलिस महकमे में नई प्रशासनिक जिम्मेदारियों का दौर शुरू होगा।

कार चालक को घेरकर ग्रामीणों ने जमीन पर गिराया, लात-घूंसों से की पिटाई

यूथ इंडिया, नवाबगंज

सलेमपुर गांव के पास मंगलवार को अनियंत्रित कार की टक्कर से महिला की मौत और चार लोगों के घायल होने के बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने कार चालक को घेर लिया और उसके साथ जमकर मारपीट की। चालक को जमीन पर गिराकर लात-घूंसों से पीटा गया। इस दौरान कुछ लोगों ने कार पर पथराव कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो में दिखाई दे रहा है कि ग्रामीणों की भीड़ कार चालक को चारों तरफ से घेर लेती है। इसके बाद लोग उसके साथ मारपीट करने लगते हैं। कुछ लोग चालक को जमीन पर गिराकर लातों से मारते नजर आ रहे हैं। भीड़ के बीच चालक खुद को बचाने की कोशिश करता दिखाई दे रहा है।

बताया गया कि नवाबगंज-अचरा मार्ग पर सलेमपुर गांव के पास नया गनीपुर निवासी सगीर खान की कार अनियंत्रित होकर कई लोगों को टक्कर मारने के बाद एक मकान में जा घुसी थी। हादसे में 42 वर्षीय संतोषी देवी की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए।

घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने मुख्य सड़क पर जाम लगाकर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाकर जाम खुलवाया और कार चालक को हिरासत में ले लिया।

बाइक सवार फूफा-भतीजे पर घात लगाकर हमला, लाठी डंडों से जमकर पीटा, एक की हालत गंभीर

यूथ इंडिया, शमसाबाद

फैजबाग बाजार से खरीदारी कर घर लौट रहे बाइक सवार फूफा-भतीजे पर रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे अज्ञात हमलावरों ने हमला कर दिया। आरोपियों ने बाइक रोकने का प्रयास किया और बाइक नहीं रुकने पर पीछे से डंडे से हमला कर दिया। इसके बाद दोनों के साथ जमकर मारपीट की गई। शोर-शराबा होने पर ग्रामीणों को आता देख हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना में दोनों लोग घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर होने पर उसे सीएचसी शमशाबाद से लोहिया अस्पताल फर्रुखाबाद रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, शमशाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम मुजफ्फरपुर पट्टी (कुइयां धीर) निवासी अल्लाह रखा पुत्र आरिफ अपने फूफा सलीम पुत्र नबी शेर के साथ बीते दिवस देर शाम फैजबाग बाजार से खरीदारी करने गए थे। खरीदारी करने के बाद दोनों बाइक से अपने घर वापस लौट रहे थे। गांव पहुंचने से पहले रास्ते में कुछ दूरी पर पहले से घात लगाए बैठे अज्ञात लोगों ने उनकी बाइक रोकने का प्रयास किया। जब बाइक सवारों ने बाइक नहीं रोकी तो हमलावरों ने पीछे से डंडे से हमला कर दिया। हमले के कारण बाइक सवार असंतुलित होकर गिर पड़े। इसके बाद आरोपियों ने दोनों के साथ मारपीट की।

घटना के दौरान पीड़ितों ने शोर मचाया तो आसपास के ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। ग्रामीणों को अपनी तरफ आता देख हमलावर जान-माल की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ितों ने किसी तरह अपने परिजनों को सूचना दी। जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शमशाबाद लेकर पहुंचे।

सीएचसी शमशाबाद में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सा प्रभारी डॉ. अलीम अंसारी तथा फार्मासिस्ट कमलेश कुमार और विजय कुमार ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। बताया गया कि घायल अल्लाह रखा की हालत गंभीर होने के कारण चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए लोहिया अस्पताल फर्रुखाबाद रेफर कर दिया।

नौ फार्म भी नहीं भरवा पाए बीएलओ तो मिलेगी नोटिस

- शून्य पर वेतन रोकने की तैयारी

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

मतदाता सूची में नए नाम जुड़वाने की जिम्मेदारी संभाल रहे बूथ लेबिल अधिकारियों (बीएलओ) की लापरवाही अब भारी पड़ सकती है। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 में फार्म-6 की बेहद कम या शून्य प्राप्ति वाले बूथों को लेकर जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि जिन बूथों पर नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए अपेक्षित प्रयास नहीं किए गए, वहां संबंधित बीएलओ के खिलाफ कार्रवाई होगी।

जिलाधिकारी ने 17 से 22 नवंबर तक प्राप्त फार्म-6 की समीक्षा करते हुए ईआरओ को निर्देश दिए हैं कि जिन बूथों पर महज 0 से 9 फार्म-6 प्राप्त हुए हैं, वहां तैनात बीएलओ को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए। नोटिस में बूथ संख्या और प्राप्त फार्मों की संख्या का स्पष्ट उल्लेख करना होगा। साथ ही बीएलओ को यह भी बताना होगा कि पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए उन्होंने क्या प्रयास किए और फार्म कम मिलने की वजह क्या रही।

सबसे सख्त कार्रवाई उन बूथों के लिए तय की गई है, जहां एक भी फार्म-6 नहीं मिला। ऐसे मामलों में केवल नोटिस देकर मामला खत्म नहीं होगा। संबंधित बीएलओ के मूल विभाग के सक्षम अधिकारी को अभिलेखीय रिपोर्ट और नोटिस की प्रति के साथ वेतन भुगतान रोकने संबंधी कार्रवाई का प्रस्ताव भेजा जाएगा।

डीएम ने सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को 24 नवंबर को कार्यालय समय समाप्त होने तक हस्ताक्षरित अनुपालन रिपोर्ट जिला निर्वाचन कार्यालय में जमा करने के निर्देश दिए हैं। रिपोर्ट में बीएलओ का नाम, बूथ संख्या, मूल विभाग, फार्म-6 की संख्या, नोटिस का पत्रांक और नोटिस तामील होने की स्थिति दर्ज करनी होगी। शून्य फार्म वाले बूथों के मामले में मूल विभाग को भेजे गए प्रस्ताव का विवरण भी देना होगा।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि कार्रवाई में देरी या लापरवाही मिलने पर संबंधित ईआरओ से भी जवाब मांगा जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि पुनरीक्षण कार्य में किसी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी। प्रशासन का जोर इस बात पर है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रह जाए।

ट्रैक्टर की टक्कर से ई-रिक्शा सवार की मौत, चार घायल

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद।



कमालगंज थाना क्षेत्र में शाम करीब 7:30 बजे सामने से आ रहे ट्रैक्टर ने एक ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम ई-रिक्शा यात्रियों को लेकर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रहे ट्रैक्टर से उसकी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ई-रिक्शा में सवार लोग घायल हो गए। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और घायलों की मदद करने में जुट गए।

स्थानीय लोगों की सहायता से सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। घायलों में दो की हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर उपचार के लिए लोहिया अस्पताल रेफर किया गया। अस्पताल में घायलों का उपचार किया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में लोगों की भीड़ जुट गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौत की खबर से उसके परिवार में शोक का माहौल बन गया। वहीं, दुर्घटना में घायल हुए लोगों के परिजनों में भी चिंता बनी हुई है।

इस सड़क हादसे के बाद क्षेत्र में यातायात सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर वाहन चलाते समय चालकों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए, ताकि इस तरह की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

मां के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप

फर्रुखाबाद। मां के साथ गाली-गलौज और मारपीट करने के साथ ही जान से मारने की धमकी देने तथा संपत्ति पर कब्जा करने की नीयत से घर में घुसने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मामले में वादिनी की तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मुरहास कन्हैया जल्लापुर निवासी शिवसिंह पुत्र विजयबहादुर और उसके एक अन्य साथी पर आरोप है कि उन्होंने वादिनी की मां के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। आरोप है कि विरोध करने पर दोनों ने जान से मारने की धमकी भी दी।

मानदेय और मानव संसाधन नीति को लेकर बीबी-जीरामजी कर्मियों ने सौंपा ज्ञापन

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



विकासखंड कमालगंज में बीबी-जीरामजी कर्मचारी महासंघ के बैनर तले कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। बुधवार को एपीओ गौरव सिंह के नेतृत्व में कर्मचारियों ने खंड विकास अधिकारी अनिल चंद्रा को संबोधित ज्ञापन सौंपा। इस दौरान ब्लॉक के तकनीकी सहायक, कंप्यूटर ऑपरेटर, लेखा सहायक सहित विभिन्न संवर्गों के कर्मचारी मौजूद रहे।

ज्ञापन में कर्मचारियों ने कहा कि पिछले 16 वर्षों से उनकी मानव संसाधन नीति का निर्धारण नहीं किया गया है। वहीं मानदेय निर्धारण में भी विसंगतियां बनी हुई हैं। कर्मचारियों का कहना है कि अक्टूबर 2026 में महंगाई दर 6.09 प्रतिशत और थोक महंगाई दर 12.29 तक पहुंच गई है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें मिलने वाला मानदेय बेहद कम है। इससे परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो रहा है।

कर्मचारियों ने सामाजिक सुरक्षा, चिकित्सकीय सुविधा और स्थानांतरण नीति निर्धारित किए जाने की मांग भी उठाई। उनका आरोप है कि विभाग की ओर से मानदेय वृद्धि के लिए भेजा गया प्रस्ताव विसंगतिपूर्ण है और स्वीकार करने योग्य नहीं है। इससे कर्मचारियों में असंतोष और निराशा बढ़ रही है।

ज्ञापन में कहा गया कि समान एवं सम्मानजनक मानदेय वृद्धि के साथ 16 वर्षों से लंबित मानव संसाधन नीति का निर्धारण किया जाए। कर्मचारियों ने मांगों पर शासन स्तर से निर्णय होने तक कार्य से विरत रहने की बात कही। साथ ही ग्राम रोजगार सेवकों के चल रहे आंदोलन और धरना कार्यक्रम को भी समर्थन देने का ऐलान किया।

इस दौरान कर्मचारियों ने शासन और विभागीय अधिकारियों से मांगों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र निर्णय लेने की अपील की। इस दौरान तकनीकी सहायक मुजाहिद शाहिद परविंदर गंगवार कंप्यूटर ऑपरेटर मुनेंद्र लेखा सहायक चंदेल आदि मौजूद रहे।